



एक नज़र...

प्रधानमंत्री ने सुमाषितम् में क्षमा को मानसिक शांति का सर्वोत्तम साधन बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को एक्स पर साझा सुमाषितम् में क्षमा को मानसिक शांति का सर्वोत्तम साधन के रूप में उल्लेखित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने संस्कृत श्लोक को साझा करते हुए लिखा, 'एको धर्मः परं श्रेयः क्षमैका शान्तिरुत्तमा'। इसका भावार्थ है कि धर्म मनुष्य को करुणा और उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। क्षमा मानसिक शांति का सर्वोत्तम साधन है। विद्या भी वास्तविक संतोष का गुणाधार है और अहिंसा संसार में स्थायी सुख प्रदान करती है। अतः इन गुणों को आत्मसात कर मनुष्य अपने जीवन को श्रेष्ठ, शांत और आनंदमय बना सकता है।

अमित शाह ने लक्ष्मणराव इनामदार को किया नमन

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने सोमवार को राष्ट्रीय सेवा, संगठन निर्माण और सहयोग के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने वाले लक्ष्मणराव इनामदार की जयंती पर उन्हें नमन किया। शाह ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रीय सेवा, संगठन निर्माण और सहयोग के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने वाले लक्ष्मणराव इनामदार की जयंती पर मैं उन्हें नमन करता हूँ। गुजरात में सहकारी आंदोलन को नई दिशा और गति देने वाले वकील साहब ने एक अभिभावक की तरह अनेक कार्यकर्ताओं को गाढ़ा।

भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' पिथौरागढ़ में शुरू

नई दिल्ली। भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट 2026' के 18वें संस्करण का उद्घाटन समारोह सोमवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में आयोजित किया गया। यह अभ्यास 21 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगा। भारतीय सेना के 'एडिशनल डायरेक्टरेट जनरल ऑफ पब्लिक इन्फॉर्मेशन' ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि इस एक्ससाइज का मकसद अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में उग्रवाद-विरोधी ऑपरेशन चलााने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है।

अतिरिक्त तरलता के बीच आरबीआई ने दूसरी ओएमओ बिक्री में स्वीकार किए 25,000 करोड़ रुपए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में मौजूद अतिरिक्त तरलता को नियंत्रित करने के अपने प्रयासों के तहत सोमवार को चल रहे ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) बिक्री कार्यक्रम के दूसरे चरण में 25,000 करोड़ रुपए की बोलियां स्वीकार कीं। इस नीलामी में निवेशकों की मजबूत भागीदारी देखने को मिली, जिसमें कुल 84,982 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जो अधिसूचित राशि से तीन गुना से अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि आरबीआई की तरलता अवशोषण कार्रवाई के बावजूद सरकारी प्रतिभूतियों की मांग मजबूत बनी हुई है।

मंगलुरु रेल क्षेत्र अब दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूर मंडल के अधीन होगा : रेलमंत्री वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि मंगलुरु के रेल क्षेत्र को पश्चिमालन संसदीय समूहों को दूर करने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसएचयूआर) के मैसूर मंडल के अधीन रखा जाएगा। पहले यह क्षेत्र तीन अलग-अलग रेलवे- दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और कोकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के पश्चिमालन क्षेत्र में बांटा हुआ था, जिससे दोनों के संभालन में अनावश्यक टैदी और समन्वय संसदीय समरूप आती थी। वैष्णव ने केरल के संसदीय रेल क्षेत्र को एक ही पश्चिमालन क्षेत्र में लाने से अलग-अलग जोन के बीच इंटरफेज संसदीय समरूप अलग होगा।

	Max	Min
चेन्नई	: 33	28
दिल्ली	: 33	26
जयपुर	: 32	25
मुंबई	: 31	26

टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए 586 करोड़ रुपये से खरीदे जाएंगे उपकरण

नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में किया गया साइन

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय सेना के टी-72 और टी-90 टैंकों को अपग्रेड करके इनकी मारक क्षमता बढ़ाने की तैयारी है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय 586 करोड़ रुपये की लागत से ऑग्नोलियरी पावर यूनिट्स खरीदने के लिए एक्यूरेट इंडस्ट्रियल कंटेल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ करार किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट सोमवार को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में साइन किया गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ऑग्नोलियरी पावर यूनिट्स पावर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट, गन स्टेबिलाइजेशन सिस्टम और टैंक के दूसरे सहायक उपकरणों के लिए बिजली बनाने का एक दूसरा जरिया है। देश में बनी इन यूनिट्स के शामिल होने से भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फॉर्मेशन की ऑपरेशनल तैयारी, भरोसेमंद होने और टिकाऊ होने की क्षमता और मजबूत होगी। यह खरीद आमंड प्लेटफॉर्म के जरूरी सब-सिस्टम के स्वदेशीकरण की दिशा में एक अहम कदम है। स्वदेशी इन्वोलूशन को प्रोडक्शन और इंटक्शन में बदलने के मैकेनिज्म से ऐसा संभव हो पाया है। विकसित भारत 2047 के विजन के मुताबिक यह समझौता डिफेंस में आत्मनिर्भरता हासिल करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारतीय डिफेंस इंडस्ट्री बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पथर है। रूस में निर्मित टी-72 भारतीय सेना के बेड़े का मुख्य टैंक है, जो अभी 780 हॉर्स पावर इंजन से संचालित है। भारत के पास टी-72 टैंक के कुल तीन वेरिएंट हैं। टी-72 टैंकों के मौजूदा बेड़े को अब 1000 एचपी इंजन से लैस किया जाएगा, जिससे भारतीय सेना की युद्धक गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ेगी। इस टैंक को 1960 के दशक में सोवियत रूस ने विकसित और निर्मित करके रूसी सेना ने तमाम मोर्चों पर इसका इस्तेमाल शुरू किया। चीन के साथ 1962 में लड़ाई के बाद भारतीय सेना को



‘युद्ध अभ्यास 2026’ में दिखा भारत-अमेरिका के बीच भाईचारा, ट्रेनिंग के साथ दिखा सांस्कृतिक रंग

भारत और अमेरिका के बीच चल रहा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास 2026' सिर्फ ट्रेनिंग तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी भाईचारे, समझ और मजबूत रिश्तों को भी बढ़ावा दे रहा है। इस अभ्यास के दौरान दोनों सेनाओं के जवान न सिर्फ युद्ध कौशल साझा कर रहे हैं बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और हिमालय की खूबसूरती का भी अनुभव कर रहे हैं। अमेरिकी सेना की टुकड़ी के सदस्यों ने बर्दीनाथ में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में 'देवगुमि' की जीवंत परंपराओं का अनुभव किया और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक

विरासत की झलक देखी। भारतीय सेना ने सोशल अभ्यास 'युद्ध अभ्यास 2026' भारतीय सेना और अमेरिकी सेना के स्टाफ अधिकारी एक जॉइंट प्लानिंग प्रोसेस के जरिए इस पुरानी समझ को अगल में ला रहे हैं। मिशन का विश्लेषण करते, अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करते और गल्टी-डेमोन गैलौल में खतरों का आकलन करते, दोनों सेनाओं के स्टाफ अधिकारी अलग-अलग ऑपरेशनल अनुभव, प्लानिंग के तरीकों और क्षमताओं को मिलाकर एक डीपरोटेड जॉइंट प्लान बनाते हैं।

आधुनिक हथियारों से लैस करने की योजना बनी। इसी क्रम में 1970 के आसपास भारत ने रूस से टी-72 टैंक खरीदा। यह यूरोप से बाहर भारत का पहला टैंक सोदा था और तबसे यह भारतीय सेना का भरोसेमंद साथी है। भारतीय सेना का प्रमुख युद्धक टैंक टी-90 रूस के टी-

90 टैंक का उन्नत संस्करण है, जिसे भारत ने अपनी जरूरतों के हिसाब से ढालकर भीम नाम दिया है। सेना ने इसे चीन के साथ गतिरोध शुरू होने पर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया था, लेकिन उस समय टैंक में 1000 हॉर्स पावर के इंजन की वजह से दिक्कत आई थी।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के छह-सात माह में लागू हो जाने की संभावना : गोयल

नयी दिल्ली/एजेंसी।

भारत को उम्मीद है कि यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अगले कुछ महीने में यूरोपीय परिषद की मंजूरी मिल जाएगी और यह समझौता छह-सात माह में लागू हो जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीप्लू गोयल ने सोमवार को कहा, भारत-ईयू एफटीए छह-सात महीने में लागू हो जाएगा। इसे वहां मंजूरी के लिए ईयू की कौंसिल को भेज दिया गया है। वहां से तीन महीने के अंदर मंजूरी मिल जाने की उम्मीद है। श्री गोयल ने कहा कि वहां से मंजूरी मिलने के बाद पूरी तैयारी के साथ समझौते को 3-4 महीने में लागू किया जा सकता है। लंबी बातचीत के बाद भारत और 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के बीच लम्बे समय तक चली एफटीए वार्ताएं इसी वर्ष 27 जनवरी सम्पन्न हुईं और इसे अब तक के सबसे बड़े मुक्त व्यापार



समझौते की संज्ञा दी गयी है जिसमें करीब 190 करोड़ की आबादी का मुक्त व्यापार बाजार बनेगा। इसके तहत भाव को दुनिया के एक विशाल बाजार में अपने वस्त्र, चमड़ा, और इंजीनियरिंग सामानों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा।भारत को यूरोपीय संघ में आयात होने वाली 97 तरह की चीजों पर शून्य या रियायती दर पर माल बेचने की छूट मिलेगी। इसके तहत भारत ने यूरोप में बनी बड़ी और प्रीमियम कारों पर आयात शुल्क

110 प्रतिशत से घटकर संभावित 30 प्रतिशत के दायरे में लगाएगा। इसमें यूरोपीय संघ से भारत में आले 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। श्री गोयल ने आज ही भारत-न्यूजिलैंड एफटीए के 20 अक्टूबर से लागू करने के निर्णयों की घोषणा की।इस समझौते पर 27 अप्रैल 2026 को हस्ताक्षर किए गए थे और उसे न्यूजीलैंड की संसद ने पिछले सप्ताह भारी बहुमत से अनुमोदित किया।

अमित शाह आज एएनटीएफ प्रमुखों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली/एजेंसी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मंगलवार को नई दिल्ली में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ रोधी कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह लखनऊ और देहरादून में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के नए क्षेत्रीय परिसरों की वचुअली आधारशिला भी रखेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन एनसीबी की ओर से किया जा रहा है। इसमें 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एएनटीएफ प्रमुखों के अलावा संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों, विभागों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच 'संपूर्ण सरकार' के दृष्टिकोण को मजबूत करना और मादक पदार्थों की

तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के लिए एनसीबी तथा राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के एएनटीएफ के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाना है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व



और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सरकार युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य रखा है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नशामुक्त भारत का निर्माण आवश्यक है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई नेताओं ने प्रवेश वाही की मां को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई नेताओं ने दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही की माता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को एक्स पोस्ट में कहा कि महापौर प्रवेश वाही की माताजी के अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं प्रवेश वाही और समस्त शोकाकुल परिवार के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा सहन करने का संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने राज रानी वाही के निधन को दुःख बताया



हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि राज रानी वाही के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। सिरसा ने वाहेगुरु से दिवंगत आत्मा को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। महापौर प्रवेश वाही की माता राज रानी वाही का निधन विचार को रात 8:30 बजे हो गया।

अध्यक्ष सत्या शर्मा ने महापौर प्रवेश वाही की माताजी के अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। महापौर प्रवेश वाही की माता राज रानी वाही का निधन विचार को रात 8:30 बजे हो गया।

आयोग द्वारा टीएमसी का नाम और ‘फूल-घास’ चुनाव चिह्न फीज करने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को हुआ तैयार

नई दिल्ली/एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के नाम और आरक्षित चुनाव चिह्न 'फूल और घास' को चुनाव आयोग द्वारा फीज किए जाने के खिलाफ पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करने के लिए आधिकारिक तौर पर सहमत हो गया है। सोमवार को अदालत के समक्ष यह मामला वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा उठया गया। उन्होंने पीठ के सामने दलील दी कि चुनाव आयोग के समक्ष कार्यवाही जून में शुरू हुई थी और जुलाई में ही जवाब दाखिल कर दिया गया था, लेकिन नंदीग्राम और रेजीनगर के उपचुनावों के ठीक बीच में अचानक चुनाव चिह्न



को फीज कर दिया जाना बेहद चौकाने वाला और समझ से परे है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने वकील कपिल सिब्बल को सलाह दी कि वे अभी इस मामले पर क्लौ बहस न करें, क्योंकि अदालत को इस विवाद में चुनाव आयोग और दूसरे पक्ष की दलीलें भी सुनी होंगी। याचिकाकर्ता पक्ष की ओर से चुनाव आयोग की इस पूरी प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई

है, जिस पर अदालत ने मामले को सुनवाई के लिए सूचियों में शामिल करने का आश्वासन दिया है। आयोग द्वारा पारित इस अंतरिम आदेश के बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों को आगामी विधानसभा उपचुनावों के लिए नए चुनाव चिह्न आवंटित किए गए हैं, जिससे राजनीतिक पारा काफी हाई हो गया है। यह पूरा विवाद तब और गहरा गया जब ममता बनर्जी और विरोधी गुट के नेता रितान्त बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक नाम, सिंबल और पार्टी के संगठनात्मक नियंत्रण पर अपना-अपना दावा ठोक दिया। दोनों पक्षों की लंबी दलीलें सुनने के बाद निर्वाचन आयोग ने 17 सितंबर को अपना अंतरिम आदेश पारित करते हुए सिंबल को फीज करने का कदम उठया था।

नितिन नवीन की युवाओं को सलाह, नशे से दूर रहकर देशहित को सर्वोपरि रखें

मेरठ/एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने युवाओं से नशे और 'शॉर्टकट' से दूरी बनाने, अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी क्षमताओं को साबित करने का सोमवार को आग्रह किया। यहां सुभारती विश्वविद्यालय के मंगल्य प्रेक्षगृह में एक युवा सम्मेलन में विद्यार्थियों के साथ बातचीत में नवीन ने कहा कि नशा और 'शॉर्टकट' अपनाने की प्रवृत्ति आज युवाओं को सबसे अधिक प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा, "रील नहीं, बल्कि रीयल लाइफ जियो और देश को सबसे ऊपर रखो।" उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में

लगाने और कठिन परिश्रम के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। नवीन ने कहा, "युवा महज भविष्य नहीं हैं, बल्कि भारत की वर्तमान ताकत



भी हैं। युवा भारतीय अंतरिक्ष, स्टार्टअप्स, खेल और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।" स्वामी विवेकानंद का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि 100 ऊर्जावान और समर्पित युवा इस देश का भाग्य बदल सकते हैं।

एशियाई खेलों में सुचिका ने एमएमए में कांस्य पदक जीतकर रचा इतिहास

आइची-नागोया (जापान)/एजेंसी।

भारत की सुचिका तिरियाल ने सोमवार को एशियाई खेल 2026 में मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसी के साथ वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में 36 साल की भारतीय फाइटर को महिलाओं की पारंपरिक 60 किग्रा भार वर्ग के सेमी-फाइनल मुकाबले में सिंगापुर की तेजो हुई हून से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।इस मुकाबले का फैसला करने के लिए अतिरिक्त मिनट का समय लेना पड़ा था। एशियाई खेलों में कांस्य पदक के लिए अलग से कोई प्लेऑफ नहीं होता, इसलिए एमएमए में सेमीफाइनल हारने वाले दोनों खिलाड़ियों को पदक मिलता है।



सुचिका ने रविवार को क्वार्टर-फाइनल में मंगोलिया की अल्टानचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराकर अपना पदक पक्का कर लिया था। हरियाणा के रहने वाली अनुभवी कॉम्बैट-स्पोर्ट एथलीट सुचिका ने जू-जित्सु और एमएमए में आने से पहले जूडो में अपनी पहचान बनाई थी। वह आठ बार की नेशनल जूडो चैंपियन हैं और उन्होंने 2019 कॉमनवेल्थ

जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।सुचिका ने बर्मिंघम में हुए 2022 राइटमंडल खेलों में महिलाओं के 57 किग्रा जूडो प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया था। सुचिका ने 2017 में एमएमए में पदार्पण किया था, जिसके बाद उन्होंने इस खेल से सात साल का ब्रेक लिया, लेकिन जूडो और जू-जित्सु में हिस्सा लेती रहीं और 2024 में प्रोफेशनल एमएमए में वापसी की।

राष्ट्रपति और रक्षामंत्री ने एशियाई खेलों के विजेताओं को दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को एशियाई खेलों में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने पर विजेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल, पार्थ राकेश माने और हिमांशु खिल्ले को हार्दिक बधाई। आपकी सटीकता और शानदार प्रदर्शन ने देश का मान बढ़ाया है। भविष्य में और भी सफलताएं पाने के लिए मेरी शुभकामनाएं।

पंजाब में शिवराज चौहान ने भाजपा की चौथी ‘नशा मुक्त पंजाब’ यात्रा को दिखाई हरी झंडी

बटिंडा/एजेंसी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को बटिंडा के तलवंडी साबो से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चौथी 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने वादा किया कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के छह महीने के भीतर राज्य से नशा आपूर्ति नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जाएगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को तलवंडी साबो पहुंचने के बाद तख्त श्री दमदा साहिब में माथा टेका। इस दौरान पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह खिल्ले, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, मनप्रीत सिंह बादल और रवनीत सिंह बिड़ू सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब भाजपा के अध्यक्ष केवल सिंह खिल्ले के साथ नशा पीड़ित

परिवार से भी मुलाकात की। गांव के लोगों ने खुलकर बोला कि पंजाब में नशा बहुत ज्यादा बिक रहा है। नशा तस्करी के हौसले बुलंद हैं। प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह खिल्ले ने कहा कि पंजाब में आज



नशा बहुत ज्यादा बिक रहा है। भारतीय जनता पार्टी इसको खत्म करेगी, ये लोगों में विश्वास है। जनसभा को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के छह महीने के भीतर राज्य से नशा आपूर्ति नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हर अभ्यर्थी के परिश्रम, उम्मीद और सपने का सम्मान : हमारी जिम्मेदारी

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित सप्त इम्पेक्टर संयुक्त प्रतियोगी पुनः परीक्षा-2021 रविवार को प्रदेश के निर्धारित 666 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई। परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता और गोपनीयता बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक अभ्यर्थी के परिश्रम और सपने का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान पुलिस ने परीक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में लेकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) वीके सिंह ने बताया कि राजस्थान पुलिस द्वारा परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। 11 जिलों में निर्धारित 666 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्याथियों के प्रवेश एवं निकास, यातायात प्रबंधन तथा परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं होे, इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन के स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। पुनः आयोजित की जा रही इस परीक्षा में पेपर की गोपनीयता बनाए रखने, अनुचित साधनों पर प्रभावी रोक लगाने तथा परीक्षा की शुचितता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान पुलिस ने पूरी सजगता के साथ कार्य किया है।

मुख्य सचिव से आईएमएफ-एसएआरटीटीएसी के निदेशक हेराल्ड फिंगर ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास से सोमवार को दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता केंद्र (एसएआरटीटीएसी) के निदेशक श्री हेराल्ड फिंगर ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच सार्वजनिक निवेश प्रबंधन, निवेश की दक्षता बढ़ाने तथा राज्य में सार्वजनिक निवेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में जीएसटी सुधारों, एसएनए-स्पर्श व्यवस्था तथा राज्य कोषागार के डिजिटलीकरण से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के दौरान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने तथा सार्वजनिक निदेश की योजना एवं क्रियान्वयन में दक्षता बढ़ाने पर भी विचार साझा किए गए। इस अवसर पर विषय शसन सचिव, वित्त (बजट) श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार एवं एसएआरटीटीएसी के रजिडेंट पब्लिक फाइनेंगियल मैनेजमेंट एडजुडान्ट श्री स्टीफन टर्नबुल भी उपस्थित रहे।

रीको ने अविकसित एवं अर्द्ध-विकसित भूखण्डों के लीज नवीनीकरण नियमों में किया आंशिक संशोधन

जयपुर। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा जयपुर, भिवानी, दौसा, कोटा, बीकानेर, राजसमंद एवं उदयपुर में अविकसित एवं अर्द्ध-विकसित भूखण्डों का ई-ऑक्शन के माध्यम से आवंटन किया जा रहा है। इसके लिए 25 सितंबर, 2026 तक ईएमडी जमा करवाकर ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। ये भूखण्ड विभिन्न श्रेणियों के उपयोग हेतु आवंटित किए जाएंगे। भिवानी के राबड़का, बीकानेर के जोड़बीड़, दौसा के जयरामपुरा एवं इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक हब दौसा-बांदीकुड़, जयपुर के दौलतपुरा, कोटा के कसारा, राजसमंद के तनाजा का बांसा तथा उदयपुर के माल की दूस एवं पीपाड़ में स्थित भूखण्डों का आवंटन किया जाएगा। इन भूखण्डों के लिए 28 से 30 सितंबर, 2026 तक ऑनलाइन बिड आयोजित की जाएंगी। रीको की अविकसित एवं अर्द्ध-विकसित भूखण्डों के आवंटन संबंधी नीति में प्रारंभिक 33 वर्ष की लीज अवधि के पश्चात ओर 33-33 वर्ष की दो अवधियों तक नवीनीकरण का प्रावधान है। हालांकि, नवीनीकरण अवधि के लिए देय शुल्क/प्रीमियम को लेकर नीति में स्पष्ट प्रावधान नहीं था। इसी को दूर करने के उद्देश्य से रीको द्वारा नियम 3(एके) में आंशिक संशोधन किया गया है।

राजस्थान में यहां बेनीवाल की आरएलपी ने बनाया बोर्ड, भाजपा प्रत्याशी को नहीं मिला एक भी वोट

नागौर। मूण्डवा नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव में आरएलपी ने बाजी मार ली। आरएलपी की अलका कंदेई लगातार दूसरी बार पालिकाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। चुनाव में अलका कंदेई को 13 वोट मिले, जबकि भाजपा से बागी होकर निर्दलीय मैदान में उतरे घनश्याम सदावत को 12 मत प्राप्त हुए। इस चुनाव में सबसे चौथाने वाली बात भाजपा प्रत्याशी गीता का खाला भी नहीं खुला। गीता को एक भी वोट नहीं मिला। यहां तक कि उन्हें खुद का वोट भी नहीं मिला। मूण्डवा में पापड़ों के चुनाव में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी। भाजपा के 10 पापड़ निर्वाचित हुए, जबकि उसके समर्थित चार निर्दलीय पापड़ भी जीतकर आए। इस लिहाज से भाजपा समर्थित खेमे के पास कुल 14 पापड़ों का समर्थन था, जो 20 सदस्यीय सदन में बहुमत के लिए जरूरी 11 के अंकड़े से अधिक था। इसके बावजूद अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी गीता को एक भी मत नहीं मिला। वहीं पाटी से बग़ावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे घनश्याम सदावत को 12 वोट मिले। अध्यक्ष पद के लिए टिकट वितरण के दौरान भाजपा ने घनश्याम सदावत और रमाकांत शर्मा को दरकिनार करते हुए पहली बार पापड़ चुनी गई गीता को प्रत्याशी बनाया।

7 प्रतिष्ठानों पर सर्वे, करीब 160 लाख रुपए की संभावित कर देनदारी सामने आई

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जीएसटी राजस्व में अनियमितताओं, कर अवचंाना, अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट एवं बिना वास्तविक आपूर्ति के टैक्स इन्वॉइस जारी करने जैसी गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 18 सितम्बर, 2026 को प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर करदाताओं के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सर्वे/नरीक्षण किया गया। विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवायों में कुल 7 प्रतिष्ठानों में प्रथम दृष्टया लगभग 159.95 लाख रुपए की संभावित कर देनदारी सामने आई है। कार्रवाई के दौरान संबंधित करदाताओं द्वारा 70.59 लाख रुपए की राशि स्वैच्छिक रूप से जमा कराई गई है। कई मामलों में महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं रिकार्ड भी जब्द/अपिलेखित किए गए हैं तथा आगे की जांच जारी है। जयपुर के प्रथम मोबिल्टल प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध ब्लॉक क्रेडिट/दुष्प्रष्ट रिवर्सल के संबंध में नरीक्षण कार्रवाई की गई। मामले में लगभग 21.60 लाख रुपए की संभावित देनदारी सामने आई, जिसके विरुद्ध करदाता द्वारा 4.74 लाख रुपए जमा करए गए, जिसमें 1 लाख रुपए दृष्प्रष्ट तथा 3.74 लाख रुपए नकद शामिल है।

झुंझुनूं जिले के 19 निकायों में कांग्रेस की बड़ी जीत, बीजेपी को बड़ा झटका

झुंझुनूं। जिले में नगर निकाय अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद सभी 19 निकायों की तस्वीर सामने आ गई है। सोमवार को 18 निकायों में अध्यक्ष पद के परिणाम घोषित किए गए, जबकि खेतड़ी में अध्यक्ष का चुनाव पहले ही निर्विरोध हो चुका था। परिणामों में कांग्रेस ने 10 निकायों में जीत दर्ज की, जबकि भाजपा के खाते में 8 निकाय आए। सूरगंगड़ में निर्दलीय प्रत्याशी ने अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। तीन निकायों में दोनों प्रमुख दलों के वोट बराबर रहने पर लॉटरी के जरिए अध्यक्ष का फैसला किया गया। झुंझुनूं नगर परिषद के सभापति पद पर कांग्रेस के अब्दुल्ला गुलाम नबी अगवान ने जीत दर्ज की। उन् 35 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 25 वोट मिले। इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी ने 10 मतों के अंतर से जीत हासिल की। बगड़ में अध्यक्ष पद का चुनाव बेहद करीबी रहा। भाजपा और कांग्रेस दोनों प्रत्याशियों को 10-10 वोट मिले। इसके बाद लॉटरी के जरिए फैसला हुआ, जिसमें कांग्रेस के राकेश कुमार शर्मा विजयी रहे। बिसाउ में कांग्रेस की सलमा ने भाजपा प्रत्याशी को एक वोट से हराया।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर को गति देने के लिए ट्रांसमिशन परियोजनाओं की समीक्षा

इंटर स्टेट एवं इंट्रा स्टेट परियोजनाओं को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास

जयपुर/एजेंसी।

मुख्य सचिव श्री वी श्रीनिवास ने पावर ग्रिड तथा प्रदेश के ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को शासन सचिवालय में इंटर स्टेट एवं इंट्रा स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान प्रदेश में इन परियोजनाओं में मार्गाधिकार (राइट ऑफ वे) की बाधाओं को जल्द से जल्द दूर करने के भी निर्देश दिए ताकि प्रदेश को ग्रीन एनर्जी कॉरिडोरस का लाभ मिल सके।

इस दौरान ऊर्जा विभाग की ओर से बताया गया कि रास्ते की बाधाओं को दूर करने के लिए जिला कलक्टर तथा पुलिस अधीक्षकों को उचित सहयोग प्रदान करने के निर्देश दे दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। ऐसे में प्रदेश में स्थापित अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित बिजली की सुगम एवं निर्बाध निकासी के

आईएमएफ-एसएआरटीटीएसी द्वारा जयपुर में ‘पब्लिक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट-इंडियन स्टेट्स’ प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

जयपुर/एजेंसी।

सार्वजनिक निवेश का बेहतर प्रबंधन, परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन और निवेश से अधिकतम परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता केंद्र (एसएआरटीटीएसी) द्वारा जयपुर में ‘पब्लिक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट-इंडियन स्टेट्स’ विषय पर

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की सोमवार को शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि देश में सार्वजनिक परियोजनाओं में बड़े स्तर पर निवेश हो रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए निर्वक का अधिकतम लाभ आमजन और अर्थव्यवस्था को मिले। उन्होंने कहा

बेहतर चिकित्सीय प्रबंधन से प्रदेश में मातृ मृत्युदर में कमी आई

जयपुर/एजेंसी।

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और जरूरत का आकलन कर आवश्यकतानुसार भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों की



लिए इंटरस्टेट एवं इन्ट्रास्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं के माध्यम से विद्युत तंत्र को मजबूत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं उच्च क्षमता वाले ट्रांसमिशन ग्रिड का निर्माण न केवल प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा बल्कि देश की प्रगति में भी योगदान देगा, ऐसे में इन परियाजनाओं का समय पर पूर्ण होना आवश्यक है। मुख्य सचिव ने पावर ग्रिड के अधिकारियों से

लंबित परियोजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में भी जानकारी ली। पावर ग्रिड की ओर से आश्चस्त किया गया कि राज्य सरकार के सहयोग से सभी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स को शीघ्र ही पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है।

बैठक में पावर ग्रिड ने सोलर पाकों से उत्पादित बिजली को बिना ट्रिपिंग के अन्य राज्यों में भेजने के लिए अधिक प्रसारण क्षमता वाली हाई वोल्टेज डीसी

(एचवीडीसी) लाइनों के लिए भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस पर मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में पावर ग्रिड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वीआर मोहन बुरा, शासन सचिव ऊर्जा सुश्री आरती डोगरा, अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री रोहित गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

साथ ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्य सचिव ने जीएसटी सुधारों को महत्वपूर्ण परिवर्तन बताते हुए कहा कि इससे विभिन्न प्रक्रियाओं और दस्तावेजीकरण को अधिक सुव्यवस्थित करने में मदद मिली है।

उन्होंने राज्य के साइबर कोषागार के माध्यम से वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ने तथा एसएनए-स्पर्श के माध्यम से कोषागार आधारित भुगतान व्यवस्था में वास्तविक समय में भुगतान की दिशा में हुए बदलाव का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर एसएआरटीटीएसी के निदेशक श्री हेराल्ड फिंगर ने बताया कि एसएआरटीटीएसी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), दक्षिण एशिया के सदस्य देशों और विकास साझेदारों की सहयोगात्मक पहल है।

उन्होंने भइला सौर पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी परियोजनाएं बताती हैं कि सही दिशा में किया गया रणनीतिक निवेश आर्थिक विकास को गति देने के

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निविदा सूचना
No. 110/06 / स्ट्रिपिंग II/2026, दिनांक: 18.09.2026. निविदा सूचना क्र. : 110/06/स्ट्रिपिंग II/2026, अपलोड करने की तिथि: 18.09.2026. कार्य का नाम: डीजल लोको शेड, रायपुर में पारंपरिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव (WAG7) के बोगी और उसके पुर्जों को खोलना/अलग करना और उनकी सफाई करना, तथा HMP लोको के डीसी शेडबूल (3 YLY और 6 YLY) में पुर्जों को खोलने का काम। निविदा मूल्य: ₹ 77,99,067.38. अंतिम धन राशि: ₹ 1,56,000/- निविदा दस्तावेजों की लागत: ₹ 5,000/- निविदा बंद होने की तिथि व समय: 12.10.2026 को 11:00 बजे। निविदा आमंत्रित करने वाला प्राधिकरण: वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी) डी. एल. एस. रायपुर/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे। इस निविदा के खिलाफ मैनूअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस तरह के किसी भी मैनूअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए पात्रता मानचंड और उपरोक्त कार्य के लिए पूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी)/ डी.एल.एस./दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें या डाउनलोड करें। वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी) डी.एल.एस./रायपुर PR/R/SR DME(DLS/R)/PCN/212 f South East Central Railway X @secrail

कार्यालय अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर

Email- sepwdkanker.2010@rediffmail.com / se.kanker@nic.in, Fax No. 07868-221010

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित भवन /सड़क कार्य हेतु दिनांक 07-10.2026 **समय 17:30** बजे तक ऑनलाईन (Online)

क्र.	एन.आई.टी. नंबर	टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
01	28	3	4	5
01	128	199499	जिला कोण्डगांव के शासकीय पॉलीटेक्नीक कॉलेज कोण्डगांव में बाउण्ड्रीवाल एवं गेट निर्माण कार्य।	34.15 लाख
02	129	99500	लोक निर्माण विभाग (भ/स) उपसभांग क्र. 01 कोण्डगांव अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत कार्य।	21.05 लाख
03	130	199501	लोक निर्माण विभाग (भ/स) उपसभांग क्र.02 कोण्डगांव अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत कार्य।	10.17 लाख
04	131	199522	जिला कांकेर के बाग्दे कॉलोनी पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 किमी का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	136.85 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा को सामान्य शर्तें, भरोहर राशि, विस्तृत निविदा विवर्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल **<https://eproc.cgstate.gov.in>** अथवा विभागीय वेबसाईट **<https://eproc.cgstate.gov.in>** से डाउनलोड की जा सकती है।

नोट :- CONTRACTOR submit the certificate regarding machine RIES & PLANTS AS PER ANNEXURE-G-7 (d) (For S.No. 04)

(निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा एवं निविदाकारों द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारों का मोबाईल नं: एवं ई-मेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रूप से करें)। डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 07.10.2026 है।
नोट:- प्रथम आमंत्रण

अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल कांकेर

जी-262703387/1

राजस्थान

फलोदी में पहली बार चुनाव लड़े मेघराज कल्ला बने सभापति, परिवार से लिपटकर हुए भावुक

जोधपुर। नगर परिषद फलोदी की सियासत में भाजपा ने बहुमत के साथ अपना बोर्ड बना लिया है। पहली बार चुनावी मैदान में उतरे भाजपा के मेघराज कल्ला सभापति के चेहरे थे और उन्हीं की अगुवाई में भाजपा ने चुनाव लड़ा। कल्ला निर्वाचित घोषित होने के साथ ही भाजपा बोर्ड बनाने में सफल रही। नगर परिषद फलोदी के कुल 40 वार्ड में भाजपा को 20 और कांग्रेस को 13 सीटें हासिल हुई थीं। भाजपा बोर्ड बनाने से महज एक सीट दूर थी और जीते हुए सात निर्दलीय पापड़ों में से छह निर्दलीय पापड़ों का समर्थन भाजपा को मिला। इससे भाजपा ने कुल 26 वोट हासिल किए

और कल्ला ने सभापति पद पर जीत दर्ज की। कांग्रेस की श्रीकांता व्यास को 13 वोट मिले, जबकि पूर्व सभापति पन्नालाल व्यास को महज एक वोट मिला। कांग्रेस की श्रीकांता व्यास को 13 वोट मिले, जबकि पूर्व सभापति पन्नालाल व्यास को महज एक वोट मिला। जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह छा गया। समर्थकों ने कल्ला को कंधों पर



आंसू छलक पड़े। उन्होंने पत्नी ममता कल्ला, पुत्र और पुत्री को गले लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। पत्नी ममता कल्ला ने कहा कि उनका सभापति बनने का सपना पूरा हो गया है। और वे शहर हित में कार्य करेंगे। वे जनता की सेवा के तौर पर अपनी सेवाएं एक सेवक की तरह देंगे। इस दौरान समर्थकों ने उन्हें कंधों पर उठाकर जश्न मनाया और बधाइयां दीं।

 	रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला			
क्र.सं.	निविदा सं. तथा देय तिथि	विवरण	मात्रा (नग/सेट)	ईएमडी (₹.)
1.	17261478 / 14.10.2026	एलएलपी हॉट बफे अमृत भारत 3.0 कोचों के लिए सीट तथा बर्थ का सेट। एलएलपी एसी 3 डिटर कोचों के लिए सीटों तथा बर्थों का सेट।	16 सेट 29 सेट	4,35,990/-
2.	05261656 / 12.10.2026	एलएलपी जीएस अमृत भारत कोचों के लिए साइड बॉल कम्पलीट तथा रुफकम्पलीट का सेट।	39 सेट	9,51,700/-
3.	17261400 / 08.10.2026	जनरेटर सह ब्रेक वैन एलएलपी के लिए सामान रैक मॉडर्निटी।	22 सेट	97,350/-
4.	02261480 / 16.10.2026	एलएलपी ईओजी कोच के लिए कम्पोजिट ब्रेक।		1,39,820/-
5.	02611116 / 13.10.2026	ब्रेक वीम इनर।	1714 नग	1,19,130/-
6.	01261236 / 05.10.2026	बंदे भारत,ट्रेन सेट के लिए कंट्रोल आर्म बुश मशीन-।	707 नग	2,12,970/-
7.	01261319 / 13.10.2026	ट्रेन-18 के लिए ग्राहमरी वर्टिकल डैम्पर। ट्रेन-18 के लिए सेकेंडरी वर्टिकल डैम्पर। ट्रेन-18 के लिए सेकेंडरी लेटरल डैम्पर। ट्रेन-18 के लिए रॉ डैम्पर।	320 नग 160 नग 160 नग 160 नग	3,41,450/- 160 नग
8.	01261263 / 13.10.2026	बंदे भारत,ट्रेन सेट के लिए ग्राहमरी वर्टिकल डैम्पर। बंदे भारत,ट्रेन सेट के लिए सेकेंडरी वर्टिकल डैम्पर। बंदे भारत,ट्रेन सेट के लिए हॉरिजॉन्टल डैम्पर। बंदे भारत,ट्रेन सेट के लिए रॉ डैम्पर।	613 नग 312 नग 301 नग 319 नग	6,86,460/-
9.	01261258 / 16.10.2026	मेघा हेतु बंदे भारत ट्रेन सेट एएससी कोचों के लिए बोगी ब्रेम कम्पलीट मशीन-। बंदे भारत ट्रेन सेट टीसी कोचों के लिए बोगी ब्रेम कम्पलीट मशीन-।	73 नग 73 नग	20,00,000/-
10.	05261552ए / 09.10.2026	मेमू डीएससी टीटाइड कोच के लिए वैरिटीबुल गेट रिसर।	6 नग	0/-
11.	01261268 / 09.10.2026	3-फेज मेमू/डीएससी तथा टीसी बोगी के लिए निर्व्ययन उपकरण मर्दों (बोगी) का सेट।	902 सेट	14,18,620/-
12.	01261271 / 05.10.2026	3 फेज मेमू डीएससी तथा टीसी कोचों के लिए एयर सर्प्रेसन सिस्टम हेतु निर्व्ययन उपकरण की आपूर्ति।	427 सेट	
12.	01261271 / 05.10.2026	सेकेंडरी एयर रिजिंग सर्प्रेसन व्यवस्था हेतु लेटरल डैम्पर 200 किग्रा। वर्टिकल डैम्पर 600 किग्रा।	2085 नग	3,93,880/-
13.	05261614 / 22.10.2026	सेमी-ऑटोमैटिक कपलर्स को आपूर्ति तथा संस्थापना।	1269 नग	50,00,000/-
14.	05261533 / 16.10.2026	फ्यूल टैंक कम्पलीट (क्षमता 1540 लीटर)।	98 सेट	5,19,460/-
15.	05261659 / 14.10.2026	मॉड्यूलर प्रेम्स का सेट।	43 सेट	1,80,080/-

1. विवरणों तथा ऑन-लाइन निविदाएं जमा करने के लिए वेबसाइट **<http://ireps.gov.in>** पर जाएं।**चिब्रियलिया**, जहां भी आवश्यक हों, आरसीएफवेबसाइट **<http://www.rcf.indianrailways.gov.in>** से डाउनलोड की जा सकती हैं। ऑन-लाइन बोलियों के लिए आवश्यक कबाल **IIIB** डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र **<http://www.cca.gov.in>** पर सूचीबद्ध प्राधिकृत प्रमाण एजेंसियों से प्राप्त किया जा सकता है। 2. निविदाएं निम्न तिथि को 14.25 बजे बंद होगी, तथा 14.30 बजे खोली जाएगी। निविदा क्र. सं. 1 से 4 आरसीएफ करप्रस्ताव में खोली जाएगी, क्र. सं. 5 से 15 तिलक बिजु, नई दिल्ली में खोली जाएगी। 3. प्रश्नों के लिए, आईआईवीएस हेल्पडेस्क 011-24102855, 011-24105180 या आरसीएफ हेल्पडेस्क 011-23378658 पर संपर्क करें।

नोट : आरसीएफ का जीएसई नंबर **03AAAGM0289C1ZT** सभी आपूर्तिकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने द्राग को गई आपूर्तियों के लिए प्रेषण दस्तावेजों में इसका उल्लेख करें। **पीसीएमएफ**

राष्ट्रिय
निम्नलिखित संशोधन प्राधिकृत हैं :- 1) निविदा संख्या 17261207 के अंतर्गत जिसमें निवत तिथि को 17.09.2026 के स्थान पर 24.09.2026 पड़ा जाय, रंग योजना तथा बोलियों के संबंध में पत्र संख्या एमडी484161 तिथि 15.05.2026 संलग्न है तथा पीएल नंबर 33533416 के लिए स्पष्टीकरण के संबंध में पत्र संख्या RCF/PLG/MP/EU/STORES/26-390 तिथि 08.09.2026 संलग्न है। 2. निविदा संख्या 05265007 के अंतर्गत स्प्लिट टाइप एयर ब्रेक ड्रिस्क के लिए जिसमें निवत तिथि को 21.09.2026 के स्थान पर 06.10.2026 पड़ा जाय। 3) निविदा संख्या 13265188 के अंतर्गत ब्रेमरी चालित हाई राइज स्टैकर सिस्टम के क्रय हेतु जिसमें निवत तिथि को 07.09.2026 के स्थान पर 23.09.2026 पड़ा जाय। 4) निविदा संख्या 13265159 के अंतर्गत एलपीजी फायरड ब्रेकिंग ओवन की आपूर्ति के क्रय हेतु जिसमें निवत तिथि को 07.09.2026 के स्थान पर 23.09.2026 पड़ा जाय। 8) निविदा संख्या 172613063 तिथि 17.09.2026 के अंतर्गत जिसमें एज प्रोटेक्शन स्लीव्स की शर्त को संशोधित किया गया है। 9) निविदा संख्या 13265158 के अंतर्गत रेल सह रोड वाहन- 600 टन के क्रय हेतु जिसमें निवत तिथि को 07.09.2026 के स्थान पर 23.09.2026 पड़ा जाय। 10) निविदा संख्या 132651160 के अंतर्गत जिसमें निवत तिथि को 22.09.2026 के स्थान पर 08.10.2026 पड़ा जाय। 11) निविदा संख्या 05261543ए के अंतर्गत 4 प्रकार के कारालाइन के सेट के क्रय हेतु जिसमें निवत तिथि को 21.09.2026 के स्थान पर 28.09.2026 पड़ा जाय। 12) निविदा संख्या 12261067 के अंतर्गत नामो भारत रैपिड रेल के लिए इंडियन स्ट्याल बायो टॉर्बोलेट हेतु वैक्यूम इन्वेक्यूएशन सिस्टम तथा नामो भारत रैपिड रेल के लिए वेस्टर्न स्ट्याल बायो टॉर्बोलेट हेतु वैक्यूम इन्वेक्यूएशन सिस्टम के लिए जिसमें निवत तिथि को 22.09.2026 के स्थान पर 07.10.2026 पड़ा जाय। टी. नं. : 064-पेस/2026-27
तिथि : 21.09.2026

संक्षिप्त सार

संगम विहार में बच्चे के साथ घटना के बाद निगम ने 10 आवारा कुत्ते पकड़े

नई दिल्ली। तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र के संगम विहार इलाके में एक बच्चे को आवारा कुत्ते के काटने की घटना के बाद नगर निगम हरकत में आ गया है। नगर निगम की टीम ने इलाके से 10 आवारा कुत्तों को पकड़ है। इन कुत्तों का बंध्याकरण व टीकाकरण के लिए भेज दिया है। संगम विहार गली नंबर-पांच में डेढ़ साल के अब्बास के मुंह पर आवारा कुत्ते ने हमला किया था। इसमें कुत्ते ने बच्चे के गाल का मांस नोच लिया था। इस बच्चे का सफ़दरजंग अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था। इस मामले के बाद नगर निगम ने क्षेत्र की अलग-अलग गलियों से 10 कुत्तों को पकड़ है। निगम के एक अधिकारी ने बताया इन कुत्तों को बंध्याकरण केंद्र भेजा गया है। जहां पहले इनका बंध्याकरण और एंटी-रेबीज टीकाकरण किया जाएगा। फिर इनको 4-5 दिन निगरानी में रखा जाएगा। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उन्हें वापस उसी स्थान पर छोड़ा जाएगा, जहां से पकड़ा था। उन्होंने बताया कि सुप्रिम कोर्ट और एबीसी रूल के तहत इतना ही काम किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि बाकी क्षेत्रों में भी यह अभियान चल रहा है।

कैंसर की पहचान के लिए आईआईटी दिल्ली ने विकसित की एआई तकनीकें

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) ने अपने सीएसआर कॉन्क्लेव में कैंसर की पहचान और चलने-फिरने की समस्याओं को दूर करने वाली कई तकनीकें प्रदर्शित कीं। इनमें एआई प्लेटफॉर्म और रोबोटिक एक्सोस्केलेटन प्रमुख थे। इस कार्यक्रम में उद्योग, सरकारी उक्रमों, सीएसआर संस्थाओं, सरकार और शिक्षा क्षेत्र से 150 से अधिक विशेषज्ञ शामिल हुए। कॉन्क्लेव में शोधकर्ताओं ने कैंसर की पहचान के लिए रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती जांच के लिए मिनी कोल्योस्कोप पेश किया। बीमारी की पहचान में एआई आधारित प्लेटफॉर्म भी दिखाए गए। एआई, डेटा उपयोग, मेडिकल तकनीकों के निम्नमन और शुरुआती शोध के लिए सीएसआर फंडिंग की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ शोध साझेदारी पर बात हुई। अरुणाचल प्रदेश के विधायक टोको तातुंग मुख्य अतिथि थे और इस दौरान आईआईटी दिल्ली तथा अरुणाचल प्रदेश सरकार के बीच शोध व तकनीक सहयोग के लिए एक पत्र का आदान-प्रदान हुआ।

दिल्ली का इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार कंपोनेंट और सेवा क्षेत्र में बढ़ा

नई दिल्ली। दिल्ली का इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार अब केवल मोबाइल, कं्यूटर और लैपटॉप की बिक्री तक सीमित नहीं है। नेहरू प्लेस, भगीरथ पैलेस और लाजपत राय मार्केट में कंपोनेंट तथा तकनीकी सेवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। ऑल दिल्ली कं्यूटर ट्रेड्स एसोसिएशन (एडीसीटीए) के अनुसार, छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलने से एडप्टर, कनेक्टर और सीसीटीवी कैमरों जैसे इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट का निर्माण बढ़ा है। देश में भी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट निर्माण को प्रोत्साहन मिल रहा है। अगस्त 2026 तक 15 राज्यों में 106 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। इनमें करीब 70 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और करीब 75 हजार रोजगार पैदा हुए हैं। 38 संयंत्रों में उत्पादन शुरू हो चुका है। इस योजना में पीसीबी, पैसिव कंपोनेंट, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कंपोनेंट और कैमरा मॉड्यूल जैसे उत्पाद शामिल हैं।

शेखावाटी की नजर से प्रदर्शनी दिखेगा राज से स्वराज तक का सफर

नई दिल्ली। श्रुति फाउंडेशन की पहल मोहर (म्यूजियम ऑफ हेंटिटेज एंड आर्ट एट रामगढ) की ओर से 23 से 30 सितंबर तक राज से स्वराज तक-शेखावाटी की नजर से प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इंडिया हैबिटेड सेंटर की दृश्य कला दीर्घा में लगने वाली यह प्रदर्शनी सुबह 11 बजे से रात आठ बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन 23 सितंबर को होगा। इस अवसर पर यूनेस्को के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. टिम कर्टिस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रदर्शनी का संयोजन डॉ. श्रुति नाड्ड पोद्दार ने किया है, जबकि डॉ. अलका पांडे सह संयोजक हैं। इसमें मोहर संग्रहालय के संग्रह के साथ डॉ. श्रुति नाड्ड पोद्दार के निजी संग्रह की वस्तुओं को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

स्वामी दयानंद अस्पताल में बेहतर होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अपने पुराने अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की तैयारी कर रहा है। इसी के तहत शाहदरा स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल में क्रिटिकल केयर सुविधाओं को बेहतर करने के साथ आधुनिक डायग्नोस्टिक मशीनें और अन्य जरूरी मेडिकल उपकरण उपलब्ध करने की योजना है। प्रस्तावित इकाई में आईसीयू और एचडीयू बेड, आइसोलेशन वार्ड, आपातकालीन सेवाएं, डायलिसिस इकाई, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, ऑपरेशन थियटर, व्वाइट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक्स और आवश्यक सहायक बुनियादी ढांचा शामिल होंगे। इसमें मेडिकल गैस पाइपलाइन, ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली और नेगेटिव-प्रेश इंस्टॉलेशन भी शामिल हैं। नई सुविधाओं का फायदा डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को भी मिलेगा। एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सिविक बॉडी चरणबद्ध तरीके से अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं को अपग्रेड कर रही है।

भारत को दुनिया के लिए डिजाइन का केंद्र बनाने पर जोर

नई दिल्ली। स्कॉप कन्वेंशन सेंटर में सोमवार को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के 18वें औद्योगिक उत्कृष्टता शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान पुरस्कार समारोह और 5वें इंजीनियरिंग शिक्षा उत्कृष्टता शिखर सम्मेलन भी आयोजित किया गया, जिसमें उद्योग, शिक्षा और सरकारी क्षेत्र के विशेषज्ञों ने चर्चा की। कार्यक्रम की थीम भारत की वैश्विक इंजीनियरिंग पहचान: तकनीक, प्रतिभा और भरोसा रही। इस अवसर पर स्मारिका का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन में तीन पैल ल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिनका संचालन डॉ. आलोकनाथ डे ने किया। दूसरा सत्र शिक्षा जगत और विकसित भारत की दिशा पर केंद्रित रहा। इसमें डॉ. संदीपान नारोटे ने विचार रखे। एनआईटी मेघालय, जेएसएस पॉलिटेक्निक और श्री विष्णु इंजीनियरिंग कॉलेज फॉर विमेन के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इसके बाद गौरव अग्रवाल और डॉ. डे के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों की तलाश में अभियान तेज, नौ पर कार्रवाई

नई दिल्ली। बीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए उत्तरी जिला पुलिस की टीम ने बुराड़ी में विशेष अभियान चलाया। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने इलाके में जांच के दौरान 13 विदेशी नागरिकों का सत्यापन किया। इनमें नौ के खिलाफ अप्रवासन नियमों के तहत कार्रवाई की गई। इनमें चार की बीजा अवधि खत्म हो चुकी थी, जबकि पांच वैध पासपोर्ट या वीजा संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा सके।

दिल्ली में 400 यूनिट तक वालों को मुफ्त सोलर पैनल, पहले आओ-पहले पाओ, ऐसे मिलेगा लाभ

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली सरकार ने सोमवार को पीएम सूर्यघर पोर्टल का शुभारंभ किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रूफटॉप सोलर पैनल लगाने की परियोजना को लॉन्च किया। यह योजना घरेलू उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली और आय का अवसर प्रदान करेगी।

योजना के तहत, 400 यूनिट तक मासिक बिजली खपत वाले घरों को लाभ मिलेगा। उन्हें तीन किलोवाट तक का सोलर प्लांट बिना किसी शुरुआती लागत के मुफ्त मिलेगा। तीन किलोवाट से अधिक क्षमता के सोलर पैनल लगवाने वालों को भी सरकार मदद देगी। ऐसे उपभोक्ताओं को कुल 1.56 लाख रुपये की सब्सिडी मिलेगी। इसमें केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की ओर से 78-78 हजार रुपये की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है। दिल्ली के बिजली मंत्री आशीष सूद ने बताया कि यह योजना आय का अवसर भी देती है। सोलर पैनल से

जनकपुरी के पांच सितारा होटल में धर्मांतरण के विरोध पर मारपीट का आरोप, विहिप ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। जनकपुरी स्थित एक पांच सितारा होटल में आयोजित कार्यक्रम में प्रलोभन देकर धर्मांतरण किए जाने और इसका विरोध करने वाले लोगों के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप सामने आया है। मामले में जनकपुरी थाने में डायरी संख्या 94-ए के तहत शिकायत दिए जाने की बात कही गई है। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस को कार्यक्रम से संबंधित वीडियो और फोटो साक्ष्य भी सौंपने का दावा किया है। शिकायत के मुताबिक, 20 सितंबर को होटल में आयोजित सभा में करीब 150 से 200 लोग मौजूद थे। इनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कार्यक्रम में चंगाई के नाम पर लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिे प्रेरित किया जा रहा था। कुछ लोगों ने इसका विरोध करते हुए कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की तो विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद विरोध करने वालों के साथ मारपीट और धक्का-मुक्की की गई



की सूचना मिलने के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के मौके पर पहुंचकर विरोध जताने और कार्रवाई की मांग करने की बात कही गई है। विश्व हिंदू परिषद इंद्रप्रस्थ प्रांत के मंत्री सुनील सूरि ने घटना पर रोष जताते हुए पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। विहिप की ओर से शिकायत में मारपीट, धमकी और कथित गैरकानूनी जमावड़े से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग किए जाने की बात कही गई है।

शत्रुघ्न सिन्हा और मेनका गांधी ने किया पद्मश्री डॉ. मुकेश बत्रा की पुस्तक ‘टॉक्सिक’ का विमोचन

नई दिल्ही। दोस्ती, करुणा और आधुनिक जीवन के दबावों पर खुलकर चर्चा के बीच शत्रुघ्न सिन्हा और मेनका गांधी ने पद्मश्री डॉ. मुकेश बत्रा की पुस्तक ‘टॉक्सिक-स्टोरीज, साईंस, एंड रेमेडीज फॉर अ क्लीनर माइंड, बॉडी एंड स्पिरिट’ का विमोचन किया। स्वामी शैलेन्द्र सरस्वती के साथ लिखी गई और ब्लूम्सबरी इंडिया द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का विमोचन नई दिल्ली के द ललित होटल में हुआ। डॉ. बत्रा के प्रति अपना श्रेष्ठ व्यक्त करते हुए सिन्हा ने कहा, एक बार दोस्त बन गए, तो हमेशा दोस्त रहते हैं। बात सिर्फ दोस्त होने की नहीं है। हम दोनों एक-दूसरे के प्रशंसक भी हैं। उनके इन शब्दों ने उस आয়োजन में आत्मीयता भर दी, जहां लोगों के जीवन में मौजूद दबावों और उन तकलीफों पर चर्चा हुई जिन्हें वे कई बार पहचान भी नहीं पाते। मेनका गांधी ने डॉ. बत्रा को एक बेहतरीन



इंसान बताते हुए कहा कि वह हमेशा बेजुबानों के लिए खड़े रहे हैं। इस पहल के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए उन्होंने उनकी करुणा और दूसरों की सहायता करने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा, मैंने ‘टॉक्सिक’ एक मरीज का निदान करने वाले डॉक्टर के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसी पूरी सभ्यता के साक्षी के रूप में लिखी है जो धीरे-धीरे खुद को जहरीला बना रही है-क्यों प्रदूषकों से, तो कभी अपने ही विचारों से। इसानी इच्छाओं की बात करते हुए



वाली रामलीला को देखने और उसको सम्मानित करने जाएंगी इस अवसर पर मीडिया प्रेस क्लब के महासचिव श्री मोहम्मद जोशी ने बताया रिफ्रेश दशहरा पुरस्कार 2026 से सम्मानित होने के लिये रामलीला आयोजक 6 अक्टूबर 2026 से पहले आवेदन कर सकते हैं सभी रामलीला को हमेशा की तरह इस बार भी संतों और धर्म, संस्कृति फिल्म को कवर करने वाले पत्रकारों द्वारा जज करया जाएगा। रिफ्रेश दशहरा



हर महीने 293 रुपये से लेकर 2,400 रुपये तक की आय हो सकती है। उपभोक्ताओं को 25 वर्षों तक मुफ्त बिजली भी मिलेगी। योजना का स्वरूप मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सोलर पैनल लगाने का काम ‘पहले आओ, पहले पाओ’ के आधार पर होगा। योजना का लक्ष्य 2.3 लाख घरों को लाभ पहुंचाना है। 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को तीन किलोवाट क्षमता तक के सोलर पैनल मुफ्त मिलेंगे। तीन किलोवाट से अधिक क्षमता के पैनल लगवाने

ब्रेनलैब और अमृता हॉस्पिटल ने फरीदाबाद में उतर भारत का पहला ब्रेन एंड स्पाइन सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस शुरू करने के लिए एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। ब्रेनलैब और अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद ने उत्तर भारत का पहला सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर ब्रेन एंड स्पाइन बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सेंटर ब्रेनलैब के Loop-X मोबाइल इमेजिंग रोबोट से लैस होगा। इससे इस क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित न्यूरोसर्जरी और रीढ़ की हड्डी के इलाज की सुविधा बेहतर होगी। यह विशेष सेंटर अमृता हॉस्पिटल की न्यूरोलॉजी में क्लीनिकल विशेषज्ञता और ब्रेनलैब की रीढ़ की हड्डी के इमेजिंग और सर्जिकल नेविगेशन तकनीकों को एक साथ लाएगा। इसका उपयोग मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की जटिल सर्जरी के लिए किया जाएगा, साथ ही यह सेंटर डॉक्टरों और हेथ्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए क्लीनिकल ट्रेनिंग, नई तकनीकों की जानकारी और आपसी अनुभव साझा करने का

लॉन्च किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार 3 किलोवाट तक के सोलर पैनल लगाने का पूरा खर्च उठाएगी। इसके अलावा 3 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले सोलर पैनल लगाने पर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार मिलकर 1.56 लाख रुपये तक की सब्सिडी देगी। 2.25 लाख घरों में लगेगे सोलर पैनल- दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ‘पहले आओ-पहले पाओ’ के आधार पर 2.25 लाख घरों में सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इस पहल को ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। पिछली सरकार पर निशाना- सीएम ने कहा कि पिछली सरकारें मुफ्त की चीजों की राजनीति में लगी रहती थीं जबकि मौजूदा सरकार विकास की राजनीति करती है। ‘पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना’ दिल्ली में ग्रीन एनर्जी पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

ब्रेनलैब और अमृता हॉस्पिटल ने फरीदाबाद में उतर भारत का पहला ब्रेन एंड स्पाइन सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस शुरू करने के लिए एमओयू पर किए हस्ताक्षर



एक मंच भी बनेगा। इंटरऑपरेटिव इमेजिंग से सर्जन शरीर को बनावट (एनाटॉमी) को देख सकते हैं, इम्प्लांट की सही जगह की जांच कर सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर नई तस्वीरें ले सकते हैं। इसकी जरूरत विशेष रूप से मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की जटिल सर्जरी में होती है, क्योंकि इस तरह की सर्जरी में सटीकता सबसे महत्वपूर्ण होती है। Loop-X मरीज के हिसाब से

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली/एजेंसी।

‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत दिल्ली सरकार अपने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मान देने के लिए ‘आंगन का मिलन’ नामक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर बच्चों, महिलाओं और परिवारों तक सरकार की सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके समर्पण और योगदान को सम्मान देना सरकार की जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय को बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए विशेष सम्मान किट भी तैयार की गई है। इसमें बैग, यूनिफॉर्म, इंसुलेटेड पानी की बोतल, कैप, प्रार्थमिक उपचार पाउच और छत्ता होगा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी होगी। इन कार्यक्रमों



आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायक आदि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए विशेष सम्मान किट भी तैयार की गई है। इसमें बैग, यूनिफॉर्म, इंसुलेटेड पानी की बोतल, कैप, प्रार्थमिक उपचार पाउच और छत्ता होगा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों को 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 से भी जोड़ा गया है।

ब्रेनलैब और अमृता हॉस्पिटल ने फरीदाबाद में उतर भारत का पहला ब्रेन एंड स्पाइन सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस शुरू करने के लिए एमओयू पर किए हस्ताक्षर

एडवांसड टेक्नोलॉजी की उपलब्धता को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद के मेडिकल डायरेक्टर डॉ संजीव सिंह ने कहा, इस विशेष सेंटर की शुरुआत जटिल न्यूरो और स्पाइन समस्याओं वाले मरीजों के इलाज की सुविधाओं को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। एडवांसड इंटरऑपरेटिव इमेजिंग और नेविगेशन की मदद से हम अपनी क्लीनिकल टीमों को सर्जरी के दौरान बेहतर विज़िबिलिटी देकर और ऑपरेशन रूम में ही वैरिफिकेशन की सुविधा देकर मदद कर सकते हैं। ब्रेनलैब के साथ हमारी साझेदारी अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद में टेक्नोलॉजी-बेस्ड इकोसिस्टम को और मजबूत करेगी और हमें इस क्षेत्र के मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड देखभाल को बेहतर बनाने में मदद करेगी।

आंतरिक शांति से विश्व शांति का संदेश लेकर निकली ‘विश्व शांति यात्रा’ देशभर में 35 से अधिक स्थानों पर 10 हजार से ज्यादा लोगों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली। शांति, सद्भाव और मानवीय एकता का संदेश लेकर अखिल भारतीय आध्यात्मिक समिति (एबीएसएस) की ओर से ‘विश्व शांति यात्रा 2026’ का आयोजन किया गया। देशभर में 35 से अधिक स्थानों पर आयोजित इस यात्रा में 10 हजार से ज्यादा लोगों ने भागीदारी की। समाज के अलग-अलग वर्गों और पेशों से जुड़े लोगों ने एक साथ आकर शांति, एकता और सामूहिक चेतना का संदेश दिया। दिल्ली में कर्नाट प्लेस में भी विश्व शांति यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों, विद्यार्थियों, युवाओं, परिवारों और विभिन्न पेशों से जुड़े लोगों के साथ सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों और वेलनेस समुदायों से जुड़े लोग भी इस पहल का हिस्सा बने। यात्रा का एक मुख्य विचार ‘आंतरिक शांति से विश्व शांति’ रहा। इसके माध्यम से यह संदेश दिया गया कि दुनिया में



स्थायी शांति की शुरुआत व्यक्ति के अपने भीतर से होती है। जब व्यक्ति अपने विचारों और व्यवहार में शांति, करुणा और सकारात्मकता को अपनाता है, तो उसका प्रभाव परिवार, समाज और पूरी मानवता तक पहुंच सकता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में हुई भागीदारी ने इस पहल को व्यापक स्वरूप दिया। आयोजकों के मुताबिक, भारत में 35 से अधिक स्थानों पर 10 हजार से ज्यादा लोगों ने यात्रा में हिस्सा लिया। वहीं, भारत के बाहर भी 23 से अधिक देशों और 100 शहरों में लोगों की भागीदारी के साथ ‘आई एम पीस’ का संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा। और शांति की भावना को व्यक्तिगत स्तर से वैश्विक स्तर तक आगे बढ़ाना है।

कारोबारियों को नहीं लगाने होंगे दफ्तरों के चक्कर, छह औद्योगिक क्षेत्रों में खुलेंगे बीएफसी

नई दिल्ली। दिल्ली के छोटे कारोबारियों को लाइसेंस, सरकारी मंजूरी, बैंक ऋण, तकनीक और बाजार से जुड़ी सहायता के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ेंगे। दिल्ली सरकार और दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) ने छह प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में बिजनेस फैसिलिटेशन सेंटर (बीएफसी) खोलने की योजना तैयार की है। ओखला, नरेला, बवाना, वजीरपुर, पटपटड़ाज और माधपुरी में बनने वाले इन केंद्रों पर उद्यमियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी के साथ मंजूरियों, वित्त, तकनीक और बाजार से जुड़ी सेवाओं के लिए मार्गदर्शन मिलेगा। दिल्ली में करीब 13.20 लाख एमएसएमई हैं, जिनमें 9.7 लाख उद्यम उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत हैं। राजधानी के कुल उद्योगों में 96 प्रतिशत से अधिक सूक्ष्म इकाइयां हैं

और यह क्षेत्र 60 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है। ऐसे में छोटे उद्योगों की वित्तीय और तकनीकी जरूरतों को एकीकृत तरीके से पूरा करने की पहल को रोजगार और कारोबार विस्तार के लिहाज से अहम माना जा रहा है। एमएसएमई के लिए तैयार इस परियोजना पर कुल 10.28 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें करीब 4.17 करोड़ रुपये छह बीएफसी स्थापित करने के खर्च होंगे। डीएसआईआईडीसी इन केंद्रों के लिए जल्द स्थान उपलब्ध कराएंगी। केंद्रों के माध्यम से उद्यमियों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, जरूरी अनुमतिपत्रां हासिल करने, डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ने और सस्ताई चैन बेहतर करने में सहायता दी जाएगी। चार विशेषज्ञ बताएंगे कारोबार बढ़ाने का रास्ता- हर बीएफसी में चार विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे।

सम्पादकीय...

अमृत इंडिया

नई फसल के स्वागत का त्योहार

व्यसन केवल व्यक्ति की एक बुरी आदत नहीं है, बल्कि यह धीरे-धीरे उसके स्वास्थ्य, परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक शांति को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या बन जाता है। आज समाज में नशे के अनेक रूप दिखाई देते हैं। शराब, तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थों की आदत व्यक्ति के जीवन में ऐसी जकड़न पैदा कर देती है, जिससे बाहर निकलना कठिन होता जाता है। व्यसन की शुरुआत अक्सर शौक, मित्रों के दबाव या केवल एक बार आजमाने से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत आवश्यकता और फिर मजबूरी बन जाती है। इसलिए व्यसन से दूर रहना भी एक प्रकार का पुरुषार्थ है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल धन कमाने या कठिन परिश्रम करने तक सीमित नहीं है। अपने मन और इच्छाओं पर नियंत्रण रखना भी पुरुषार्थ है। जो व्यक्ति किसी गलत आदत के सामने दृढ़ता से खड़ा रहकर उसे स्वीकार नहीं करता, वही वास्तविक अर्थों में पुरुषार्थी है। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति को सही और गलत के बीच चुनाव करना पड़ता है। उस समय आत्मसंयम और दृढ़ इच्छाशक्ति ही उसकी रक्षा करते हैं। व्यसन छोड़ने का निर्णय भी इसी दृढ़ इच्छाशक्ति से संभव होता है। इतिहास में महात्मा गांधी का जीवन पुरुषार्थ और आत्मसंयम का उदाहरण माना जाता है। दक्षिण अफ्रीका में जेल के दौरान वे दिए गए काम को निर्धारित समय से पहले पूरा कर लेते और शेष समय ज्ञानवर्धक पुस्तकों के अध्ययन में लगाते थे। उनका यह स्वभाव बताता है कि मनुष्य अपनी परिस्थितियों से ऊपर उठकर अपनी क्षमता और पुरुषार्थ का उपयोग कर सकता है। यही सिद्धांत व्यसन मुक्ति पर भी लागू होता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर यह संकल्प पैदा कर ले कि उसे नशे का गुलाम नहीं बनना है, तो धीरे-धीरे वह अपनी आदत पर नियंत्रण प्राप्त कर सकता है। व्यसन का सबसे पहला और गहरा असर व्यक्ति के परिवार पर पड़ता है। नशे की आदत के कारण कमाई का बड़ा हिस्सा व्यसन में खर्च होने लगता है। घर की आवश्यकताओं के लिए धन की कमी पैदा होती है और परिवार में तनाव बढ़ता है। कई बार नशे की अवस्था में व्यक्ति अपने व्यवहार पर नियंत्रण खो देता है, जिससे परिवार के सदस्यों को मानसिक पीड़ा और सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। बच्चों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर होता है, क्योंकि वे घर के वातावरण से बहुत कुछ सीखते हैं। व्यसन व्यक्ति की कार्यक्षमता को भी कमजोर करता है। जो धन शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, रोजगार या परिवार के भविष्य को बेहतर बनाने में लगाया जा सकता है, वही नशे की आदत में नष्ट हो जाता है। इस कारण आर्थिक कठिनाइयां बढ़ती हैं और व्यक्ति कर्ज तथा तनाव के चक्र में फंस सकता है। एक व्यसन दूसरे व्यसन का रास्ता भी खोल सकता है। जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण खो देता है, तब गलत संगति और अन्य बुरी आदतों का प्रभाव भी बढ़ सकता है।

व्यसन का प्रभाव केवल घर तक सीमित नहीं रहता। इससे समाज में अपराध, घरेलू विवाद, सड़क दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नशा मुक्ति केवल किसी एक व्यक्ति का निजी विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज के हित से जुड़ा विषय है। सरकार और सामाजिक संस्थाएं समय-समय पर नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाती हैं, लेकिन केवल सभाओं, नारों और कार्यक्रमों से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। सबसे जरूरी है कि व्यक्ति स्वयं व्यसन छोड़ने का संकल्प करे और परिवार तथा समाज उसे इस प्रयास में सहयोग दें। व्यसन मुक्ति का सबसे मजबूत आधार आत्मसंयम है। किसी व्यक्ति को यदि नशे की आदत लग चुकी है तो उसे तिरस्कार करने के बजाय समझाने और सहयोग देने की जरूरत है।

परिवार को उसके साथ धैर्य रखना चाहिए और आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय तथा परामर्श सहायता भी लेनी चाहिए। व्यक्ति को अपने खाली समय का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करना चाहिए। अध्ययन, योग, ध्यान, धार्मिक गतिविधियां, सेवा कार्य, खेल और रचनात्मक कार्य मन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। व्यसन छोड़ने के लिए पहला कदम स्वीकार करना है कि यह आदत जीवन को नुकसान पहुंचा रही है। इसके बाद दृढ़ संकल्प के साथ धीरे-धीरे उससे दूरी बनानी चाहिए। जिस संगति या वातावरण में नशे की आदत को बढ़ावा मिलता है, उससे दूरी रखना भी जरूरी है। अपने परिवार के भरोसे और सहयोग को अपनी शक्ति बनाना चाहिए। जो व्यक्ति आज नशे का त्याग करता है, वह केवल अपना भविष्य नहीं बचाता, बल्कि अपने परिवार की खुशियां और आने वाली पीढ़ी का संस्कार भी बचाता है।

--: ललित गर्ग :-

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिंरंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों में पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे

हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है,



जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फ़ोल्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अल्टी-वॉरिंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है।

दीपक की लौ और हमारी सांस्कृतिक संवेदना

- डॉ. सत्यवान सौरभ

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना, उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना—लोकतांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उद्‌घाट तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं। भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संस्था समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है;

वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है— दीपो ज्योतिर्-नर ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जानार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संस्थादीप नमोऽस्तुते। अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है। इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ वह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता है, तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों

में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए, उसमें भागीदारी स्वेच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है। यहीं राजनीतिक आयोगन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है, तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका, खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बरस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिक आयोजन का विरोध करता है, तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा। आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है—व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं, लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का

अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है। जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है। दूसरी ओर, भारतीय धार्मिक परंपरा में दीपक को शुभता और प्रकाश का प्रतीक मानने वाले लोग इसे अलग दृष्टि से देखते हैं। दोनों परंपराओं के सांस्कृतिक संदर्भ अलग हैं। इसलिए किसी एक को अपनाने या दूसरे से दूरी रखने को अपने आप में किसी व्यक्ति की देशभक्ति या संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण नहीं बनाया जाना चाहिए। फिर भी एक विचारणीय प्रश्न अवश्य है—क्या हम अपनी संस्कृति से जुड़े प्रतीकों के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं, जितनी संवेदनशीलता हम दूसरे सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए अपेक्षित करते हैं? यदि कोई व्यक्ति दीपावली पर दीप नहीं जलाना चाहता, उसे ऐसा करने की स्वतंत्रता है। लेकिन यदि कोई दूसरा व्यक्ति पूरे श्रद्धाभाव से दीप जलाता है, तो उसकी आस्था का उद्‌घाट क्यों किया जाए? इसी तरह यदि कोई

कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है—आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरूआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालाँकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है।

इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण—सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय परिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट

- डॉ. सत्यवान सौरभ

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना, उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना—लोकतांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उद्‌घाट तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं। भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संस्था समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है;

वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है— दीपो ज्योतिर्-नर ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जानार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संस्थादीप नमोऽस्तुते। अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है। इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ वह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता है, तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों

में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए, उसमें भागीदारी स्वेच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है। यहीं राजनीतिक आयोगन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है, तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका, खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बरस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिक आयोजन का विरोध करता है, तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा। आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है—व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं, लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का

अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है। जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है। दूसरी ओर, भारतीय धार्मिक परंपरा में दीपक को शुभता और प्रकाश का प्रतीक मानने वाले लोग इसे अलग दृष्टि से देखते हैं। दोनों परंपराओं के सांस्कृतिक संदर्भ अलग हैं। इसलिए किसी एक को अपनाने या दूसरे से दूरी रखने को अपने आप में किसी व्यक्ति की देशभक्ति या संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण नहीं बनाया जाना चाहिए। फिर भी एक विचारणीय प्रश्न अवश्य है—क्या हम अपनी संस्कृति से जुड़े प्रतीकों के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं, जितनी संवेदनशीलता हम दूसरे सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए अपेक्षित करते हैं? यदि कोई व्यक्ति दीपावली पर दीप नहीं जलाना चाहता, उसे ऐसा करने की स्वतंत्रता है। लेकिन यदि कोई दूसरा व्यक्ति पूरे श्रद्धाभाव से दीप जलाता है, तो उसकी आस्था का उद्‌घाट क्यों किया जाए? इसी तरह यदि कोई

व्यक्ति किसी राजनीतिक कार्यक्रम में दीप जलाकर सहभागिता करता है, तो उसकी आलोचना कार्यक्रम के राजनीतिक पक्ष पर होनी चाहिए, उसकी धार्मिक आस्था पर नहीं। राजनीतिक बहस में पूर्व प्रधानमंत्रियों या दूसरे नेताओं के जन्मदिन समारोहों और कथित सरकारी खर्चों के उदाहरण भी दिए जाते हैं। ऐसे आरोपों को प्रमाणित करने के लिए संबंधित वर्ष, खर्च और आधिकारिक दस्तावेज सामने रखना आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या पूर्व सरकार पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाना उचित नहीं है। आज की राजनीतिक बहस को मजबूत करने के लिए तथ्य चाहिए, केवल पुराने आरोप नहीं। वास्तविक प्रश्न कुछ रुपये के तेल और बाती का नहीं है। वास्तविक प्रश्न यह है कि सार्वजनिक जीवन में हमारी प्राथमिकताएं क्या हों और हमारी भाषा कैसी हो। क्या राजनीतिक मतभेद इतने तीखे हो जाएँ कि सांस्कृतिक प्रतीक की निशाने पर आ जाएँ? क्या धार्मिक आस्था को शाने पर आने देना ही हमारा कर्तव्य है? क्या दीप जलाने वाला व्यक्ति अनिवार्य रूप से किसी राजनीतिक विचार का समर्थक है?

भारत की पहली डेंगू वैक्सीन को मिली मंजूरी

कांतिलाल मांडोट

डेंगू के खिलाफ भारत की लड़ाई अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। लंबे समय से देश में डेंगू एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग इसकी चपेट में आते हैं और गंभीर स्थिति में यह बीमारी जानलेवा भी साबित होती है। ऐसे समय में भारत में डेंगू से बचाव के लिए पहली वैक्सीन के आने की खबर स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ आम लोगों के लिए भी बड़ी राहत और उम्मीद लेकर आई है। जापान की टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद की डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुए समझौते के बाद टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन को भारत के निजी बाजार में उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कंपनियों के अनुसार यह वैक्सीन वर्ष 2027 की पहली छमाही में भारत में उपलब्ध हो सकती है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में आना केवल चिकित्सा क्षेत्र की एक उपलब्धि नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान की लंबी यात्रा का परिणाम भी है। डेंगू मच्छर से

फैलने वाली बीमारी है और इसके प्रसार को रोकना आसान नहीं रहा है। मानसून के दौरान जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन के स्थिति बनती है और इसके साथ डेंगू का खतरा भी बढ़ जाता है। देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक डेंगू के मामले सामने आते रहे हैं। इसलिए इस बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीन का विकल्प उपलब्ध होना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा सकता है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स के बीच हुआ समझौता भारत में इस वैक्सीन की उपलब्धता की दिशा में अहम कदम है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज बच्चों और वयस्कों के लिए निजी बाजार में क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रचार और वितरण की जिम्मेदारी संभालेगी। वैक्सीन की कीमत के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसलिए आम लोगों के लिए इसकी पहुंच कितनी व्यापक होगी, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। किसी भी वैक्सीन को बड़ी आबादी तक पहुंचाने में कीमत, उपलब्धता, चिकित्सकीय

सलाह और जागरूकता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डेंगू की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसके लक्षण कई बार सामान्य बुखार जैसे दिखाई दे सकते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षणों के कारण शुरुआत में बीमारी की गंभीरता का अंदाजा लगाना कठिन हो सकता है। गंभीर मामलों में मरीज को अस्पताल में उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। यही कारण है कि डेंगू के प्रति जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना बहुत जरूरी है। वैक्सीन की उपलब्धता इस बीमारी से बचाव की रणनीति में एक नया विकल्प जोड़ सकती है। वैज्ञानिकों के लिए डेंगू के खिलाफ वैक्सीन विकसित करना लंबे समय से चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। डेंगू वायरस के अलग-अलग प्रकार होते हैं और बीमारी की जटिल प्रकृति के कारण प्रभावी टीका विकसित करने के लिए व्यापक अनुसंधान की आवश्यकता रही है। क्यूडेंगा का विकास भी इसी वैश्विक वैज्ञानिक प्रयास का हिस्सा है। भारत में इसके आने की तैयारी यह दर्शाती है कि आधुनिक चिकित्सा

विज्ञान लगातार ऐसी बीमारियों के खिलाफ नए समाधान खोज रहा है, जो दशकों से मानव स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनी हुई हैं। भारत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की विशाल आबादी को देखते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौतियां भी बहुत बड़ी हैं। यहां किसी बीमारी से निपटने के लिए केवल अस्पताल और दवाइयां पर्याप्त नहीं हैं। रोकथाम, जागरूकता और समय पर उपचार को भी सामने महत्व देना पड़ता है। डेंगू के मामले में यह बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए नागरिकों, स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को मिलकर काम करना पड़ता है। घर और आसपास पानी जमा नहीं होने देना, साफ-सफाई बनाए रखना और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना डेंगू की रोकथाम के महत्वपूर्ण उपाय हैं। वैक्सीन उपलब्ध होने के बाद भी इन उपायों की आवश्यकता बनी रहेगी। टीकाकरण बीमारी से बचाव की व्यवस्था को मजबूत कर सकता है, लेकिन स्वच्छता और

मच्छर नियंत्रण की भूमिका समाप्त नहीं होगी। इसलिए डेंगू के खिलाफ प्रभावी लड़ाई के लिए वैज्ञानिक टीकाकरण के साथ जनजागरूकता और स्थानीय स्तर पर रोकथाम के प्रयासों को भी लगातार मजबूत करना होगा। भारत ने पिछले वर्षों में चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में अपनी क्षमता का विस्तार किया है। दवाइयों के उत्पादन से लेकर वैक्सीन निर्माण और जैव प्रौद्योगिकी तक भारतीय वैज्ञानिकों और कर्मियों ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने बड़े स्तर पर टीकों का निर्माण और वितरण करके अपनी उत्पादन क्षमता का परिचय दिया था। आज देश स्वास्थ्य संबंधी अनेक चुनौतियों के समाधान के लिए आधुनिक विज्ञान और अनुसंधान पर अधिक जोर दे रहा है। डेंगू वैक्सीन की उपलब्धता इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह उपलब्धि विकसित भारत की उस तस्वीर को भी सामने रखती है जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ सीधे आम नागरिक के जीवन तक पहुंचता है। किसी देश की प्रगति केवल

सड़क, रेल, उद्योग और तकनीक के विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना भी विकास का महत्वपूर्ण आधार है। स्वस्थ नागरिक ही शिक्षा, रोजगार, उद्योग और राष्ट्र निर्माण में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकते हैं। इसलिए डेंगू जैसी बीमारी के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाने वाला हर वैज्ञानिक प्रयास देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति से जुड़ा हुआ है। डेंगू से होने वाली बीमारी का असर केवल मरीज तक सीमित नहीं रहता। परिवार को उपचार गंभीर बीमारी की स्थिति में कामकाज तथा बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। यदि बीमारी के गंभीर मामलों को रोकने में सफलता मिलती है तो इसका लाभ परिवार और समाज को मिलेगा। वैक्सीन की उपलब्धता से बीमारी की रोकथाम के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। हालांकि इसके प्रभाव और व्यापक उपयोग का वास्तविक आकलन भारत में इसके उपयोग और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर आगे किया

जाएगा। नई वैक्सीन को लेकर लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना भी जरूरी होगा। वैक्सीन किन आयु वर्गों के लिए है, कितनी खुराक आवश्यक हैं, किन लोगों को चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए और इसके उपयोग को लेकर क्या दिशा-निर्देश हैं, इसकी जानकारी विशेषज्ञों तथा स्वास्थ्य संस्थाओं के माध्यम से स्पष्ट रूप से लोगों तक पहुंचनी चाहिए। किसी भी चिकित्सा उपाय को लेकर अफवाहों के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों को महत्व देना जरूरी है। जागरूकता बढ़ने से लोग बीमारी की रोकथाम और उपचार के प्रति अधिक सजग हो सकेंगे। डेंगू वैक्सीन की दिशा में हुई प्रगति भारत की वैज्ञानिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उन वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों की मेहनत का परिणाम है जिन्होंने वर्षों तक ऐसी बीमारी के खिलाफ समाधान खोजने का प्रयास किया। आज भारत में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का विस्तार हो रहा है और देश स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

विचार

कांग्रेस पूरी तरह से ‘मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस’ बन चुकी है : भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंदू राष्ट्रवाद को लेकर पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के बयान की निंदा करते हुए कहा है कि कांग्रेस अब पूरी तरह से ‘मुस्लिम लीग-माओवादी’ कांग्रेस बन चुकी है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री अंसारी के बयान का हवाला देते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि श्री अंसारी ने खुद ही उजागर कर दिया है कि कांग्रेस अब पूरी तरह से ‘मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस’ बन चुकी है। उन्होंने कहा, -पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने 2019 में लिखी गई एक किताब का हवाला देते हुए कहा है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू साम्यवाद को उतना बड़ खतरा नहीं मानते थे, जितना हिंदू राष्ट्रवाद को मानते थे। इस बात को उजागर करने के लिए मैं हामिद अंसारी को बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, आज की कांग्रेस पूरी तरह अति-वामपंथ की ओर जा चुकी है। यानी वह सिर के बल साम्यवाद में डूब चुकी है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता हटुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि श्री गांधी की सोच बिल्कुल पंडित नेहरू की तरह है।

मतदाताओं को सूची से बाहर करने की वजह बताए सरकार : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सरकार और चुनाव आयोग से पूछा है कि मतदाताओं को सूची से बाहर करने के बाद अब 'विशेष' और आम मतदाताओं को अलग- अलग श्रेणियों में क्यों बांटा जा रहा है। श्री खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि बिहार से शुरू हुआ एसआईआर अब दिल्ली पहुंच चुका है और कांग्रेस इसे पहले दिन से ही जुटपूरा प्रक्रिया बता रही थी। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, राज्ससभा सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई लोगों को नोटिस दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही इसे जुटि पूर्ण व्यवस्था बता रही है और अब इसकी गड़बड़ियां खुलकर सामने आई हैं और । श्री खरगे ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, अब तक जिन मामलों में फैसला हुआ है उनमें 93 प्रतिशत लोगों ने अपील में सफलता हासिल की है और 1,13,943 लोगों को फिर मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने खवाल किया कि आखिर किस आधार पर इन लोगों का मतधिकार छिना गया।

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के बयान पर देश में गरमाई सियासत

नई दिल्ली। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी द्वारा हाल ही में दिए गए एक बयान को लेकर राष्ट्रीय राजनीति में घमासान मच गया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अंसारी के हवाले से पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से जुड़ी एक पुस्तक का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी पर करारा हमला बोला है। सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि हामिद अंसारी के बयानों से यह साफ उजागर होता है कि कांग्रेस अब पारंपरिक विचारों से हटकर कम्युनिज्म की राह पर चल पड़ी है और पूरी तरह से 'मुस्लिम लीग माओस्ट्र कांग्रेस' में तब्दील हो गई है। ए जी नूरानी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रमों में दिया गया था बयान, सीएम योगी ने सनातन परंपरा के अपमान का लगाया आरोप विवाद की शुरुआत शनिवार को नई दिल्ली के इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में सविधान विधेयज्ञ ए जी नूरानी की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम से हुई, जहां पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने नेहरू के उस विचार का जिक्र किया था जिसमें उन्होंने हिंदू दक्षिणपंथी विचारधारा को बड़ा खतरा बताया था।

संधू, एस. जयशंकर और आडवाणी सहित कई दिग्गजों को नोटिस जारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान ने प्रशासनिक गतिधारों में भारी हलचल पैदा कर दी है। इस प्रक्रिया के तहत देश के निर्वाचन आयुक्त डॉ. एएसए संधू, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, आप नेता मनीष सिसोदिया समेत कई सेवारत और सेवानिस्त शीर्ष नौकरशाहों, केंद्रीय सचिवों व दिग्गज हस्तियों को नोटिस जारी किए गए हैं। मतदान सूचियों में डेटा की विसंगतियों और पिछले रिकॉर्ड से मिलान न होने के कारण इन नामी हस्तियों को अपनी जानकारी और दस्तावेजों को सत्यापित कराने के निर्देश दिए गए हैं। विदेश सचिव, सेबी अध्यक्ष और सीडजी सहित कई सेवारत सचिव स्तर के अधिकारी भी सूची की चोपट में, 33 लाख से अधिक को मिले नोटिस दिल्ली कैंट विधानसभा क्षेत्र के सूरजी बाग मतदान केंद्र पर, जहां अधिकांश वरिष्ठ अधिकारियों के सरकारी आवास स्थित हैं, कुल 593 मतदाताओं को नोटिस थमाए गए हैं। इसी सूची में बदलाव आयुक्त एसएस संधू के अलावा विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, सेबी अध्यक्ष तुहिन कांता पांडे, स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव और सीएजी के. संजय मूर्ति जैसे कई प्रमुख नाम शामिल हैं।

न्यायालय आवारा पशु संबंधी एनएचआई की याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करेगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उस याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ गठित करने पर सोमवार को सहमति जताई जिसमें देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने के लिए उसे दिए गए निर्देश को चुनौती दी गई है। एनएचएआई की ओर से पेश सॉलिडिस्ट जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष दलील दी कि न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने एनएचएआई को आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया था, जबकि यह जिम्मेदारी स्थानीय निकायों और प्रशासन की है। सॉलिडिस्ट जनरल ने कहा कि एनएचएआई को देशभर में आवारा पशुओं के लिए आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया गया है और प्राधिकरण के अनुमान के मुताबिक इसमें करीब 7,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा, “हमारा पक्ष यह है कि यह काम स्थानीय जिला प्रशासन को करना चाहिए। हम इसे पूरे देश के स्तर पर नहीं कर सकते।” उन्होंने एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की विशेष पीठ के पुनर्गठन का भी अनुरोध किया।

बीआरएस विधायक ने अयोग्य ठहराए जाने के बाद न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक दानम नागेंद्र ने सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्हें अयोग्य घोषित करने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया। उच्च न्यायालय ने इस साल मार्च में विधानसभा अध्यक्ष के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें उनकी अयोग्यता के अनुरोध वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को बीआरएस विधायक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल लहतेजी ने बताया कि वह अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई चाहते हैं। इस पर शीर्ष अदालत ने याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। उच्च न्यायालय ने खैरताबाद से विधायक नागेंद्र को 23 अप्रैल, 2024 से तेलंगाना विधानसभा के सदस्य के तौर पर अयोग्य घोषित कर दिया था। अदालत ने कहा था कि उन्होंने 2024 में बीआरएस विधायक रहते हुए कांग्रेस के टिकट पर सिक्दंगबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ था।

कर्मों को काटने की कला सीखनी है तो महावीर का धैर्य जीवन में उतारें : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

युवाचार्यश्री के सांख्यिक में आत्मध्यान शिविर- दुनिया से नाता तोड़, खुद से नाता जोड़ने की साधना में जुटे 125 साधक-साधिकाएं

भीलवाड़ा (अमृत इंडिया) ।

जीवन में आने वाली विषम परिस्थितियां कर्मों का परिणाम हो सकती हैं, लेकिन उनका सामना करते समय मन की स्थिति कैसी रहती है, यह हमारी साधना की परीक्षा है। कर्मों से गुजरते हुए हम बेचैन हो जाते हैं, जबकि भगवान महावीर ने अटूट धैर्य और समभाव के साथ कर्मों का क्षय किया। परमात्मा की स्तुति का उद्देश्य केवल उनके गुण गाना नहीं, बल्कि उन गुणों को अपने भीतर जागृत करने का पुरुषार्थ करना है। ये विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. ने सोमवार को शांतिभवन में 29 दिवसीय वीरधूर्त महाप्रभावक पुच्छस्वपुण संयुट जाप की तीसरी गाथा के स्वाध्याय एवं सामूहिक जाप के उपरांत गाथा का भावार्थ समझाते हुए व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने बताया कि तीसरी गाथा में आर्य सुधर्मात्मावी अपने शिष्य जम्बूस्वामी की जिज्ञासा का उत्तर देते हुए भगवान महावीर के ज्ञान, दर्शन और धर्म का स्वरूप स्पष्ट करते हैं। गाथा में प्रभु के लिए प्रयुक्त



‘श्रेत्रज्ञ’ और ‘खेदज्ञ’ विशेषणों का अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा आत्मा के वास्तविक स्वरूप, उसके स्वभाव और विभाव को जानने वाले थे। वे संसार के प्राणियों के दुःख ही नहीं, उसके मूल कारण को भी जानते थे। जिस प्रकार कि चिकित्सक रोग के लक्षण देखकर ही नहीं रुकता, बल्कि उसके कारण का निदान करता है, उसी प्रकार प्रभु महावीर ने जीव के भवभ्रमण और दुःख के कारणों को जाना। युवाचार्यश्री ने ‘कुशल’ शब्द का मर्म समझाते हुए कहा कि चुनौती कुछ

घास को बिना हाथ घायल किए वही काट सकता है, जो उस कार्य में सावधान और निष्णात हो। इसी प्रकार कर्मों का क्षय करते समय भीतर की जागरूकता और धैर्य आवश्यक है। मनुष्य कर्मों के फलस्वरूप आने वाली परिस्थितियों से गुजरता तो है, लेकिन अनेक बार बेचैनी और व्याकुलता में अपना मानसिक संतुलन खो देता है। भगवान महावीर कर्मों के क्षय में कुशल थे। उन्होंने प्रत्येक परिस्थिति में समभाव बनाए रखा और साधकों को भी उसी दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। केवल

लिली और फोर्टिस ने अल्जाइमर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लगभग 88 लाख लोग डिमेंशिया (भूलने के बीमारी) के साथ जी रहे हैं जिसमें अल्जाइमर रोग सबसे आम रूप है। यह आंकड़ा 2036 तक बढ़कर दोगुना यानी लगभग 1.69 करोड़ होने का अनुमान है, जो स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

बुजुर्गों की बढ़ती आबादी, जागरूकता की कमी और डॉक्टर से सलाह लेने में देरी के कारण देश में अल्जाइमर रोग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अल्जाइमर बीमारी सामान्य लक्षण दिखने से 20 साल पहले भी शुरू हो सकती है, जब एमाइलॉयड नाम का प्रोटीन दिमाग में असामान्य रूप से थक्के या गांठें बनाने लगता है। अल्जाइमर से पीड़ित लोगों के लिए, शुरुआती बदलावों को समय पर पहचानना मरीजों और उनके परिवारों को इस बीमारी को बेहतर ढंग से समझने और सही देखभाल की योजना

नशे के खिलाफ विद्यार्थियों की आवाज बनेगी जागरूकता का संदेश

22 से 26 सितंबर तक ‘नशा मुक्त भारत सप्ताह’, स्कूलों में होंगी भाषण, चित्रकला, पोस्टर व निबंध प्रतियोगिताएं

जयपुर (अमृत इंडिया) ।

नशे के खिलाफ जागरूकता को जनअभियान का रूप देने के उद्देश्य से अशोका फाउंडेशन की ओर से 22 से 26 सितंबर तक ‘नशा मुक्त भारत सप्ताह’ मनाया जाएगा। इस दौरान शहर के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए नशा मुक्ति एवं नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. सोनिया धीरज जैन ने बताया कि युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ केवल कानून और कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जागरूकता और

सकारात्मक सोच भी जरूरी है।

विद्यार्थियों को इस अभियान से जोड़कर उनमें स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। नशा मुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, पोस्टर रचना, स्लोगन लेखन और निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

विद्यार्थी अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों और नशामुक्त जीवन का संदेश देंगे। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। सप्ताह के दौरान

विद्यार्थियों के साथ-साथ आमजन

को भी नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी। विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। मुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी। विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। अशोका फाउंडेशन का उद्देश्य विद्यार्थियों को जोड़कर उनमें नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवन अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी की भावना विकसित करना है।

उनके सामने एक ऐसी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाने की महती जिम्मेदारी भी है।य

हैं उनका ‘एक से एक ग्यारह’ का सूत्र महत्वपूर्ण हो जाता है। एक व्यक्ति की मेहनत से बदलाव शुरू हो सकता है, लेकिन उसे स्थायी बनाने के लिए लोगों को साथ जोड़ना पड़ता है। पाषंढ, नगर



भाग्य के भरोसे सुविधाजनक जीवन में बने रहने से आत्मकल्याण का पुरुषार्थ नहीं हो सकता। भगवान महावीर के ‘महर्षि’ स्वरूप की विवेचना करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि वे हर परिस्थिति में ज्ञाता-द्रष्टा भाव में स्थित रहे। सूर्याभदेव द्वारा प्रस्तुत अद्भुत दिव्य नाट्यों को देखकर भी उनके भीतर कुतुहल नहीं जागा। भक्ति करने वाले से प्रशंसा की अपेक्षा नहीं रखी और विरोध करने वाले के प्रति द्वेष नहीं किया। इसके विपरीत, हम थोड़ी-सी सेवा या सहयोग के बाद भी अपना नाम

और प्रशंसा चाहते हैं।

अपेक्षा पूरी नहीं होने पर मन में नाराजगी आ जाती है। प्रभु महावीर का जीवन सिखाता है कि साधना का मूल्य प्रशंसा मिलने में नहीं, उसके प्रति आसक्ति से मुक्त रहने में है। युवाचार्यश्री ने कहा कि परमात्मा अनंत ज्ञान और अनंत दर्शन के स्वामी थे, फिर भी किसी पदार्थ के प्रति आसक्त नहीं हुए। मनुष्य सीमित जानकारी प्राप्त करके ही स्वयं को बहुत कुछ जानने वाला मान बैठा है और नई-नई वस्तुओं की चाह में उलझता रहता है। ज्ञान का वास्तविक

लंदन स्थित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर संग्रहालय के सौन्दर्यीकरण करने के लिए रामदास आठवले ने की पहल



सभा में उनके योगदान तथा उनके महत्वपूर्ण भाषणों पर आधारित वीडियो दीर्घा स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी है। लंदन स्थित इंडिया हाउस में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए श्री रामदास आठवले जी ने कहा कि बाबासाहेब का जीवन समानता, न्याय और मानवीय गरिमा के संघर्ष का प्रतीक है। रामदास आठवले जी ने कहा कि विदेश की धरती पर उनकी प्रतिमा के स्मश

श्रद्धांजलि उनके विचारों की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है।

इस अवसर पर भारत के उच्चायुक्त श्री पेरियासामी कुमारन उपस्थित रहे। श्री आठवले ने उच्चायुक्त से मुलाकात कर यूके में अध्ययनरत एवं उच्च शिक्षा के लिए आने वाले भारतीय विद्यार्थियों के हितों पर चर्चा की। बैठक में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति (National Overseas

सारस्वत ब्राह्मण समाज का वार्षिकोत्सव और गोठ का आयोजन, नशे और कुसंगति से दूर रहने का आह्वान

जयपुर। सारस्वत ब्राह्मण समाज



जिला जयपुर की और से रविवार को राजधानी के विद्याधर नगर स्थित पापड़ वाले हनुमान मंदिर में 15 वां वार्षिकोत्सव और समाज बंधुओं की गोठ का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा, महामंत्री सुरेश सारस्वत महिला मंडल की अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, समाज के वरिष्ठजनों एवं आयोजन टीम द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुआ। गरिमामय आयोजन में शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र,छात्राओं के साथ ही नव चयनित एवं पदेनत कर्मचारियों और समाज के दानवीरों को भी सम्मानित किया गया। संस्था अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा ने कहा कि केवल उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है अपितु जीवन में मानवीय संवेदनाओं और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को आत्मसात करना भी अनिवार्य है। महामंत्री सुरेश

सारस्वत एवं सिद्धार्थ जोशी तथा अजमेर रोड, गोपालपुरा से सुरेश सारस्वत व दिनेश सारस्वत तथा वैशाली से विकास ओझा तथा के.एम. ओझा, मालवीय नगर जगतपुरा से कमल शर्मा, शहर व पुरानी बस्ती से किशन आडवा तथा गणेश ओझा ने कार्यक्रम को दिनरात जुटकर सफल बनाया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, शिक्षाविदों, महिलाओं और युवाओं, सहित सभी ने पूरे परिवार सहित भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक ओझा और सुधा सारस्वत ने किया।

सारस्वत एवं सिद्धार्थ जोशी तथा अजमेर रोड, गोपालपुरा से सुरेश सारस्वत व दिनेश सारस्वत तथा वैशाली से विकास ओझा तथा के.एम. ओझा, मालवीय नगर जगतपुरा से कमल शर्मा, शहर व पुरानी बस्ती से किशन आडवा तथा गणेश ओझा ने कार्यक्रम को दिनरात जुटकर सफल बनाया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, शिक्षाविदों, महिलाओं और युवाओं, सहित सभी ने पूरे परिवार सहित भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक ओझा और सुधा सारस्वत ने किया।

सारस्वत एवं सिद्धार्थ जोशी तथा अजमेर रोड, गोपालपुरा से सुरेश सारस्वत व दिनेश सारस्वत तथा वैशाली से विकास ओझा तथा के.एम. ओझा, मालवीय नगर जगतपुरा से कमल शर्मा, शहर व पुरानी बस्ती से किशन आडवा तथा गणेश ओझा ने कार्यक्रम को दिनरात जुटकर सफल बनाया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, शिक्षाविदों, महिलाओं और युवाओं, सहित सभी ने पूरे परिवार सहित भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक ओझा और सुधा सारस्वत ने किया।

डीएम ने स्कूल, डिजिटल लाइब्रेरी और मिनी स्टेडियम का किया निरीक्षण

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जिलाधिकारी बुजेश कुमार ने सोमवार को भाग्यनगर ब्लॉक क्षेत्र का निरीक्षण कर प्राथमिक विद्यालय, पंचायत भवन में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और मोहनपुर में निर्माणाधीन मिनी स्टेडियम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सबसे पहले जिलाधिकारी ने बिहारीपुर प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने छत्र-छत्राओं से सवाल-जवाब कर उनकी शैक्षिक स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद कचौसी पंचायत भवन में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों, अध्ययन व्यवस्था और विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने लाइब्रेरी में आवश्यक पुस्तकों और अध्ययन सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पंचायत भवन परिसर में साफ-सफाई समेत अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा। इसके बाद जिलाधिकारी ने कचौसी मौजा के मोहनपुर गांव के पास निर्माणाधीन मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति देखी और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

नशे के खिलाफ उत्तरकाशी पुलिस गंभीरता के साथ कर रही कार्य: एसपी

उत्तरकाशी। राइका राजगढ़ी में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में एसपी कमलेश उपाध्याय ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच निरंतर संवाद से आपसी विश्वास सजबूत होता है तथा स्थानीय स्तर पर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। कहा कि युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे के प्रचलन पर उत्तरकाशी पुलिस बेहद गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नशे के विरुद्ध जागरूकता एवं सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने वाले लोगों को पुलिस द्वारा लगातार प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाएगा। सोमवार को पुलिस और आमजन के बीच संवाद एवं विश्वास को और अधिक मजबूत करने, पुलिसिंग को बढ़ावा देने तथा आमजन की पुलिस से सम्बन्धित समस्याओं के प्रभावी निस्तारण के लिए राइका राजगढ़ी में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जयवीर जयाड़ को सम्मानित किया। कहा कि समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने वाले ऐसे सम्मानित व्यक्तित्व युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

पारंपरिक जल स्रोतों को बचाने के लिए जनकांडे में सफाई अभियान

चंपावत। जनपद के पाटी विकासखंड में स्थित जनकांडे गांव के पौराणिक पैरी नौले में सोमवार को जल स्रोत संरक्षण और स्वच्छता को लेकर अभियान चलाया गया। स्प्रिंग एंड रिवर रिसुवनेशन अथॉरिटी की टीम, स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से नौले तथा आसपास के क्षेत्र की सफाई की। अभियान के दौरान नौले के आसपास जमा प्लास्टिक और अन्य कचरे को हटया गया। अधिकारियों के अनुसार सफाई के दौरान करीब पांच किलोग्राम प्लास्टिक कचरा और एक कुंतल गीला कचरा एकत्र किया गया। एकत्रित कचरे का निस्तारण ग्राम पंचायत स्तर पर किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। लोगों से नौलों, धारों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के आसपास कूड़ा नहीं डालने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने की अपील की गई। कार्यक्रम में जल स्रोतों की स्वच्छता के साथ उनके दीर्घकालिक संरक्षण पर भी चर्चा हुई। पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक जल स्रोतों की उपयोगिता को देखते हुए नियमित सफाई, स्रोतों के आसपास संरक्षण कार्य और स्थानीय लोगों की भागीदारी को जरूरी बताया गया।

मांगों को लेकर प्रधानों ने ब्लॉक कार्यालय में की तालाबंदी

उत्तरकाशी। दस सूत्रीय मांगों को लेकर प्रधान संगठन डुंडा ने सोमवार को ब्लॉक कार्यालय में सांकेतिक तालाबंदी की। प्रधानों ने लंबे समय से 20 हजार रुपये मानदेय समेत मांगों के निस्तारण की मांग किए जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर रोष जताया। उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांगों के जल्द समाधान की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष विनोद पड़ियार के नेतृत्व में डुंडा क्षेत्र के प्रधान ब्लॉक कार्यालय पहुंचे और सांकेतिक तालाबंदी की। प्रधानों ने न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने, पंचायतीराज अधिनियम के तहत पारित सभी 29 विभागों के कार्य एवं अधिकार पूरी तरह ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने की मांग की। इसके अलावा पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या के कारण डिजिटल कार्यों और ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों का समाधान करने की मांग उठाई गई। ब्लॉक अध्यक्ष विनोद पड़ियार ने कहा कि ग्राम प्रधान ग्रामीण विकास की सबसे मजबूत कड़ी हैं, लेकिन अधिकारों और संसाधनों की कमी के साथ नेटवर्क जैसी बुनियादी समस्याओं के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने जल्द मांगों का निस्तारण नहीं किया तो प्रधान उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

महोत्सव में सुरक्षा को लेकर पुलिस की पैदल गश्त और जागरूकता अभियान

नैनीताल। नंदा देवी महोत्सव के शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन के लिए नैनीताल पुलिस की ओर से मेला क्षेत्र में लगातार पैदल गश्त और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ टीसी के नेतृत्व में पुलिस बल कानून व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुरक्षा के लिए तैनात है। एसपी संचार रेवाधर मठपाल, सीओ नैनीताल अजना, सीओ भवाली रविकांत सेमवाल और प्रभारी निरीक्षक मल्लीताल राजेंद्र रावत पुलिस बल के साथ मेला क्षेत्र में लगातार पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। पुलिस की ओर से मेला परिसर में उद्घोषणा और व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से लोगों को अपने पर्स, मोबाइल और आभूषण जैसे कीमती सामान के साथ बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस के अनुसार मेला क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने और आगंतुकों की सुरक्षा के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

नंदा देवी महोत्सव में महाभंडारा, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

नैनीताल। श्री नंद देवी महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को डीएसए मैदान में महाभंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद भंडारे में बनी पूरी, कढ़ू मिश्रित सब्जी और हलवे का प्रसाद ग्रहण किया। श्री राम सेवक सभा के बाल कलाकारों ने दीपक साह के निर्देशन में प्रसाद वितरण में योगदान दिया। उधर महोत्सव स्थल-नयना देवी मंदिर में मां नंदा-सुनंदा के दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। आयोगजनों के अनुसार आगे मंगलवार को माता नयना देवी मंदिर में दोपहर दो बजे से सुंदरकांड और भजन के कार्यक्रम होंगे तथा शाम को पंच आरती की जाएगी। इस बीच दोपहर 3.50 बजे उतराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी नयना देवी मंदिर पहुंचकर माता नंदा-सुनंदा के दर्शन करेंगे। इधर महोत्सव के सीधे प्रसारण में अध्यात्म, मां के भजनों और कैसर सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

नकारात्मक ताकतें जाति के नाम पर समाज और महापुरुषों को बांटेंगी, हमें विभाजन नहीं होने देना : सीएम योगी

मेरठ/एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नकारात्मक ताकतें फिर से समाज को बांटने का काम करेंगी। वे जाति के नाम पर समाज को बांटेंगी और महापुरुषों को भी जातीय आधार पर बांटने का पाप करेंगी, लेकिन हमें इस विभाजन को नहीं होने देना है। महापुरुष पूरे समाज के होते हैं, उन्हें किसी जाति के दायरे में सीमित कर उनके महत्व को कम नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की उपस्थिति में जनपद मेरठ में आयोजित भाजपा पश्चिम क्षेत्र की शक्ति केंद्र संयोजकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी ने कहा कि भारत के इतिहास, क्रांति और अनन्यताओं के समर्थन की धरती मेरठ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का सभी की ओर से हृदय से स्वागत और

भाजपा प्रदेश महामंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर का कार्यकर्ताओं ने बनाई रूपरेखा

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री एवं कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रभारी बनाए जाने के बाद शंकर लाल लोधी के प्रथम बार औरैया आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उनके साथ नवनि्युक्त जिला प्रभारी दिनेश बाजपेई के प्रथम जनपद आममन को लेकर सोमवार को जिला कार्यालय पर बैठक आयोजित कर स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।

जिलाध्यक्ष सर्वेश्व कठेरिया के नेतृत्व में हुई बैठक में कार्यकर्ताओं का जिम्मेदारियां सौंपी गई। उन्होंने बताया कि 23 सितंबर बुधवार को प्रदेश महामंत्री शंकर लाल लोधी का जिले की सीमा अंतर्गतम टोल प्लाजा पर सुबह 10:30 बजे भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद मंडी समिति गेट, औरैया में स्वागत कार्यक्रम होगा। यहां से प्रदेश

यमुना पुत्र बाबा हरिदास महाराज का जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया

नई दिल्ली। श्री प्रीतमधाम दशमेश घाट चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में टाट के कार्यालय वाघवा काम्लैक्स, मैट्रो स्टेशन गेट नं.1 लक्ष्मी नगर दिल्ली स्थित यमुना पुत्र बाबा हरिदास जी महाराज का जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर ट्रस्ट के कार्यकर्ता एवम भक्तजनों ने यमुना स्वच्छता दिवस के रूप में जुटे, लोगों ने माँ यमुना को बाबा हरिदास जी महाराज की अगुवाई में स्वच्छ करने का संकल्प लिया।

ट्रस्ट के महासचिव- डॉ. आर पी. सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि आज के दिन यमुना पुत्र बाबा हरिदास जी महाराज के जन्मोत्सव पर सर्वप्रथम दशमेश घाट, ठेकर न0 14, निगर शम्भान घाट गीता कालोनी में जुटे भक्त जनों ने यमुना तट पर प्रतिदिन की भांति आज भी

गुरुग्राम में ग्रेटिट्यूड 84 का मठ्य भूमिपूजन, वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधुनिक, सुरक्षित और स्वास्थ्य-केद्रित जीवनशैली का नया विजन

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर-84 में 21 सितंबर 2026 लामोज इन्फ्रा एलएलपी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ग्रेटिट्यूड 84 का भव्य भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों को केंद्र में रखकर विकसित किए जा रहे इस प्रोजेक्ट को वरिष्ठ नागरिक एवं सेवानिवृत्ति जीवनशैली की अवधारणा के साथ तैयार किया जा रहा है। ग्रेटिट्यूड 84 का नाम अपने आप में एक विशेष भावना को दर्शाता है— ग्रेटिट्यूड यानी आभार। प्रोजेक्ट की मूल सोच उन वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक, सुरक्षित, सुविधाजनक और स्वस्थ जीवन का वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्होंने अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा परिवार और समाज के निर्माण में समर्पित किया है। ग्रेटिट्यूड 84 को देश में अपनी तरह के विशेष वरिष्ठ नागरिक



अभिन्दन है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के दो दिवसीय प्रवास के क्रम में पश्चिम क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को उनका सानिध्य और मार्गदर्शन मिल रहा है। शक्ति केंद्र सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं की शक्ति को जागृत करने और उस जागरण को पार्टी के लिए उपयोगी बनाने के साथ राष्ट्र प्रथम के भाव से प्रधानमंत्री के संकल्पों के अनुरूप आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत में कार्यकर्ताओं की भूमिका के लिए आह्वान किया जा रहा है।

मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन- मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014

में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद एक नए भारत का दर्शन हुआ। ऐसा भारत जो अपनी विरासत पर गर्व करता है और विकास के लिए गति के साथ आगे बढ़ रहा है। आज ऐसा भारत है जिसके सामने पहचान का संकट नहीं है। सीना तानकर चलता है और दुनिया की आंख में आंख डालकर बात करता है। कोई चुनौती देने का दुस्साहस करता है तो भारत मांद में घुसकर मारना भी जानता है। भारत को अर्थव्यवस्था बॉटम फाइव से टॉप फाइव में आ गई है। इसी देश में कभी सनातन और हिंदू परंपरा

दिल्ली में आयोजित 30वें विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के साथ दो लाख से ज्यादा लोग जुटे

नई दिल्ली। दिल्ली में 30वां विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ, जिसमें सावन कृपालूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपना समापन संदेश दिया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर सम्मेलन के समापन सत्र में भाग लिया। उनके साथ बीजेपी विधायक अशोक गोयल और कई धर्मों के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि भी मौजूद थे। समापन सत्र में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का 80वां जन्मदिन भी मनाया गया, जिसे दुनिया भर में उनके अनुयायी 'अंतर्राष्ट्रीय ध्यान-अध्यास दिवस' के रूप में मनाते हैं।

सम्मेलन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड, कनाडा और कई अन्य देशों से 650 से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए। आठ दिनों तक चले इस सम्मेलन में, 13 से 20 सितंबर के बीच कृपाल बाग और संत दर्शन सिंह जी धाम, बुराड़ी में हुए कार्यक्रमों में दो लाख

दिवस के रूप में मनाया जाएगा बाबा हरिदास जी महाराज के इस अभियान को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुये यमुना-स्वच्छता जन जागरण को आम जनता तक पहुंचाकर जनता को जागरूक कर बड़ा जन आन्दोलन खड़ा किया जायेगा।

इस अवसर पर यमुना स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य पर प्रमुख रूप से बाबा हरिदास जी महाराज के अलावा डॉ0 आर पी सिंह, पं. अनिल शर्मा गजरान जी महाराज, राजनाथ जी महाराज, ट्रस्ट के प्रदेशाध्यक्ष दिनेश मैनी, एडवोकेट-राजबीर सिंह, रवि अग्रवाल, ट्रस्ट के आई.टी. सैल इंचार्ज-मोहित, प्रकृति दर्शन चैनल से पल्लवी आजाद, सुरज, जयप्रकाश चौरासिया, ट्रस्ट के मुख्य सेवादार असलम उर्फ प्रीतम, और डॉ. योगेन्द्र आदि ने भाग लिया।

को कोसने तथा उसे गजनवी, गोरी, इब्राहिम लोदी, बाबर और औरंगजेब के समकक्ष उठराने का प्रयास किया जाता था। अब नया भारत गुलामी की मानसिकता को समाप्त कर विरासत पर गौरव की अनुभूति कर रहा है। इसकी परिणिति काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के रूप में सामने है। जो लोगों के लिए असंभव था, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है।

विरासत-सनातन को कोसने वालों ने रोकी थी कांवड़ यात्रा- मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा-वृंदावन सज-संवर रहा है। भागवत भूमि शुक्रतीर्थ के पुनरुद्धार की कार्ययोजना चल रही है और विदुर कुटी के लिए भी धनराशि आवंटित की गई है। विरासत-सनातन को कोसने वालों ने कांवड़ यात्रा पर रोक लगाई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने कहा कि कांवड़ यात्रा को कोई नहीं रोक

सकता। यह धूमधाम से चलेगी। मैं स्वयं कांवड़ यात्रा में शामिल होता हूं और पुष्पवर्षा करता हूं। यह सनातन का प्रतीक है। अब कोई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रोक नहीं लगा सकता, मेरठ की क्रांति धरा को अपमानित नहीं कर सकता। कट्टा-बंदूक की राजनीति नहीं हो सकती मेरठ में- मुख्यमंत्री ने कहा कि अब मेरठ में कट्टा-बंदूक की राजनीति नहीं हो सकती। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यहां से एक घंटे की दूरी पर बनकर तैयार हो गया है। मेरठ की बेटी पारल चौधरी भारत के लिए ओलंपिक में गोल्ड मेडल लेकर आती है। उत्तर प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेजर ध्यानचंद के नाम पर मेरठ में बन रही है। दिल्ली-मेरठ के बीच 12 लेन का एक्सप्रेसवे और नमो भारत ट्रेन सफलतापूर्वक चल रही है।



से ज्यादा भाई-बहनों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपने ध्यान को भीतर की ओर मोड़ने और ईश्वर से जुड़ने के लिए ध्यान-अध्यास को एक मुख्य जरिया बताया।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि, 'जब हम अंतर्राष्ट्रीय ध्यान-अध्यास दिवस मना रहे हैं, तो हमें यह समझना चाहिए कि हम केवल शरीर या मन नहीं हैं, हम सभी

ईश्वर के प्रेम और प्रकाश से भरी आत्माएं हैं। ईश्वर तक पहुँचने का रास्ता प्रेम का रास्ता है।' उन्होंने आगे कहा कि, 'ध्यान भटकाने वाली चीजों से भरी इस दुनिया में, हमें ईश्वर से जुड़ने और जीवन के अपना सच्चे मकसद 'खुद को जानने और ईश्वर को पाने' को पूरा करने के लिए अपने भीतर झांकना होगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने संत राजिन्दर सिंह जी महाराज को उनके 80वें जन्मदिन पर

सल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग ने जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने और वचित क्रिकेटरों को नि:शुल्क अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया

मुंबई। देशभर में जमीनी स्तर की क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग (एसटीसीएल) द्वारा सल्यूट तिरंगा क्रिकेट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।

मुंबई के द क्लब, अंधेरी वेस्ट में आयोजित इस कार्यक्रम में क्रिकेट जगत की प्रमुख हस्तियों, रोचटी क्लब के प्रतिनिधियों और एसटीसीएल के पदाधिकारियों, जिनमें चेतन शर्मा (लीग कमिस्नर, एसटीसीएल; पूर्व भारतीय क्रिकेटर; बीसीसीआई चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष), डॉ राजेश झा (अध्यक्ष, एसटीसीएल), रवि चिकरा (उपाध्यक्ष, एसटीसीएल), मुकेश सिंह (निदेशक, एसटीसीएल), राजन दुआ (रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर), मुकेश सहगल (अध्यक्ष - रोटरी क्लब ऑफ मुंबई खार), हरजीत सिंह,



(परियोजना निदेशक; अध्यक्ष (कार्यकारी समिति, एसटीसीएल)), विश्व प्रसिद्ध रस्सर संग्राम सिंह सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसटीसीएल के कमिस्नर चेतन शर्मा ने कहा, 'हर खिलाड़ी में कुछ बड़ा ह्रासिल करने की क्षमता होती है, लेकिन उस प्रतिभा को सही अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग की जरूरत होती है। हमारा उद्देश्य देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, कोचिंग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। क्रिकेट ने हमें बहुत कुछ दिया है और अब समय है कि हम देश के युवा

खिलाड़ियों को कुछ वापस दें। ' एसटीसीएल के अध्यक्ष डॉ. राजेश झा ने सल्यूट तिरंगा क्रिकेट लीग की विशिष्ट पहचान और इसके सामाजिक उद्देश्य पर बात करते हुए कहा, 'देश में कई क्रिकेट लीग चल रही हैं और अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग नामों से प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। लेकिन पहली बार तिरंगे के बैनर तले एक ऐसी लीग की शुरुआत हो रही है, जो तिरंगे का सम्मान, राष्ट्र का गौरव और राष्ट्रवाद की भावना से जुड़ी है। भारत के प्रसिद्ध पहलवान एवं यूथ आइकन संग्राम सिंह एसटीसीएल को अपना समर्थन देने के लिए उपस्थित रहेंगे।

सीआईआई आईडब्ल्यूएन दिल्ली का एलीट अफेयर्स, 23 सितंबर को दिल्ली में सजेगा, एक छत के नीचे महिला उद्यमी

नई दिल्ली। सीआईआई इंडियन वुमेन नेटवर्क (आईडब्ल्यूएन), दिल्ली 23 सितंबर 2026 को होटल हयात रिजेंसी, नई दिल्ली में एक दिवसीय बिजनेस बाज़ार



एलीट अफेयर्स आयोजित करेगा। महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को मंच देने वाला यह अपनी तरह का पहला आयोजन है। फैशन, लाइफस्टाइल, खान-पान, वेलनेस, डिज़ाइन और गिफ्टिंग से जुड़े कारोबार यहाँ अपने उत्पाद प्रदर्शित करेंगे, नए ग्राहकों से जुड़ेंगे और सहयोग के अवसर तलाशेंगे। चेयरपर्सन रुचिका जैन ने कहा, एलीट अफेयर्स उन महिलाओं का उत्सव है, जिन्होंने कुछ बनाया और नेतृत्व करने का

उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम राइज़ बिगॉन्ड, रीच विदिन है। इवेंट क्यूरेटर गगन आनंद के अनुसार, यह आम बाज़ार से कहीं बड़कर है, जहाँ लोग नए ब्रांड खोज सकेंगे और उनके पीछे की उद्यमियों से मिल सकेंगे।

विविध

कुलपति ने गठित की छात्र शिकायत निवारण समिति
जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की शिकायतों और समस्याओं के समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण के लिए छात्र शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर गठित समिति विद्यार्थियों की शिकायतों पर कार्रवाई कर उनके समाधान की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगी। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हाल में कुलपति से मुलाकात कर विभिन्न समस्याएं बताई थीं। कुलपति ने समस्याओं को सुनकर शीघ्र समाधान का भरोसा दिया था। इसके बाद प्रशासन ने शिकायतों के निस्तारण के लिए समिति गठित की। डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार यादव को समिति का अध्यक्ष/समन्वयक बनाया गया है। प्रो. अविनाश डी. पाथडीकर, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. रजनीश भास्कर और डॉ. अनू त्यागी को सदस्य बनाया गया है। एलएलएम छात्र अभिनव कीर्ति पाण्डेय को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

शेयर बाजार में जोखिम कम कर कमाई का नया रास्ता- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड - इकटि में ग्रोथ और डेट में स्थिरता चाहने वालों के लिए खास रणनीति नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में सीधे निवेश जहां उच्च रिटर्न की संभावना देता है, वहीं बाजार गिरने पर बड़े नुकसान का जोखिम भी रहता है। ऐसे में जो निवेशक इकटिी की ग्रोथ का मौका चाहते हैं, लेकिन पूरी तरह से जोखिम लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरे हैं। ये फंड इकटिी और डेट निवेश का संतुलित मिश्रण पेश करते हैं, जिससे निवेशकों को बाजार की तेजी का लाभ उठाने के साथ-साथ कुछ हद तक स्थिरता भी मिलती है। जानकार बताते हैं कि सेबी के नियमों के अनुसार इन फंडों को अपनी कुल संपत्ति का 65 से 80 फीसदी हिस्सा इकटिी और संबंधित निवेशों में लगाना अनिवार्य है। शेप 20 से 35 फीसदी राशि डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रुमेंट्स में निवेश की जाती है। इकटिी का बड़ा हिस्सा बाजार की तेजी में बेहतर रिटर्न दिला सकता है, जबकि डेट घटक गिरावट के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है। हालांकि, इकटिी के अधिक अनुपात के कारण इसे पूरी तरह से सुरक्षित निवेश नहीं माना जा सकता। उनके अनुसार एग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो इकटिी में पैसा लगाकर विकास चाहते हैं, लेकिन अपनी पूरी पूंजी शेयरों में लगाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। यह लंबी अवधि के निवेशकों और नए निवेशकों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जो खुद स्टॉक चुनने के बजाय पेशेवर फंड मैनेजर के माध्यम से निवेश करना चाहते हैं। मध्यम से अधिक जोखिम लेने की क्षमता वाले निवेशक इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि एग्रेसिव हाइब्रिड फंड कम जोखिम वाले या पूंजी-सुरक्षित निवेश नहीं हैं। इकटिी का बड़ा हिस्सा होने के कारण बाजार में तेज गिरावट आने पर इनके रिटर्न पर भी असर पड़ सकता है। निवेश से पहले फंड के इकटिी और डेट पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का अनुभव और फंड अनुपात का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए। केवल पिछले प्रदर्शन को देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए और हमेशा अपने निवेश लक्ष्यों तथा जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

ताज होटल दुनिया के 30वें सर्वश्रेष्ठ होटल में शुमार - 123 साल पुरानी विरासत और अनूठी वास्तुकला के साथ हासिल किया गौरव नई दिल्ली ।

सपनों की नगरी मुंबई का प्रतिष्ठित ताज होटल एक बार फिर वैश्विक पटल पर सुर्खियों में है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 50 होटलों की 2026 की सूची में इसे 30वां स्थान मिला है, जो पिछले साल के 38वें स्थान से एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह उपलब्धि मुंबई की पहचान बन चुके इस 123 साल पुराने ऐतिहासिक होटल के लगातार बढ़ते वैश्विक आकर्षण को दर्शाती है, जिसे आगरा के ताजमहल की तरह ही दुनिया भर में पहचान मिली है। यह सिर्फ एक होटल नहीं, बल्कि एक विरासत है जिसकी वास्तुकला और इतिहास इसे बेहद खास बनाते हैं। अपनी बेजोड़ वास्तुकला के लिए मशहूर इस होटल के डिजाइन में राजपूत, मोरिश और ओरिएंटल शैलियों का अद्भुत मिश्रण दिखता है। इसके गुंबद में एफिल टावर में प्रयुक्त होने वाले स्टील जैसा ही मजबूत स्टील लगा है। 123 साल पुराना होने के बावजूद इसकी भव्यता और चमक आज भी बरकरार है। यह मुंबई की पहली ऐसी इमारत थी, जिसमें बिजली, लिफ्ट, तुर्की बाथ और अमेरिकन पंखों जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध थीं। यही वजह है कि मुंबई आने वाला हर शख्स इस ऐतिहासिक स्थल को देखे और इसके सामने तस्वीर खिंचवाए बिना नहीं रह पाता, जो इसके निरंतर बढ़ते प्रदर्शन और वैश्विक लोकप्रियता का प्रमाण है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर, वाणिज्यिक गैस महंगा नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार, 20 सितंबर को 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी रसोई गैस सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे दाम पूरी तरह स्थिर बने हुए हैं। हालांकि, इस महीने की शुरुआत (1 सितंबर) में 19 किलोग्राम वाले कर्माशैल्य गैस सिलेंडर की कीमत में 9.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू सिलेंडर के दाम लंबे समय से स्थिर हैं; पिछली बार इनमें जून में बढ़ोतरी की गई थी। साल के शुरुआती महीनों में अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल व एलएनजी की आपूर्ति में दिक्कतों के कारण कीमतों में दो बार बड़ी वृद्धि देखी गई थी। इस बीच, मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संकट के कारण कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। हाल ही में, दक्षिण कोरिया ने अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग बहाल करने और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने में सक्रिय योगदान का आश्वासन दिया है। यह कदम भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अपनी 85 फीसदी से अधिक कच्चे तेल की जरूरत इसी मार्ग से आयात करता है।

ग्रिज्म का वेडिंग्ज़ 2026 में 50 कंपनी-सर्विस्ड बैंक्रेट्स तक बढ़ाएगा नेटवर्क

ग्रिज्म के वेडिंग्स और इवेंट्स बिजनेस, वेडिज़ ने 2026 में देश के प्रमुख शहरों में अपने कंपनी-सर्विस्ड बैंक्रेट्स के नेटवर्क को 50 वेन्यू तक बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी अब तक देशभर में 25 बैंक्रेट्स सफलतापूर्वक लॉन्च कर चुकी है और इन्हें शानदार रिसॉन्स मिली है। इस विस्तार के तहत गुरुग्राम, कोलकाता, जयपुर, गाजियाबाद, पटना और मुंबई जैसे शहरों पर फोकस किया जाएगा, जहाँ इस मॉडल को पहले ही अच्छा रिसॉन्स मिला है। यह विस्तार भारत के तेजी से बढ़ते सेलिब्रेशन, इवेंट्स और बैंक्रेटिंग सेक्टर में प्रोफेशनल

ईंधन की कीमतों में स्थिरता बरकरार

पेट्रोल-डीजल के दाम में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली।

रविवार 20 सितंबर को देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। ज्यादातर बड़े शहरों में ईंधन के दाम अपरिवर्तित रहे, इस वक्त देश में पेट्रोल की औसत कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजधानी दिल्ली में जहां कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं हैदराबाद जैसे शहरों में ये सर्वाधिक दर्ज की गई है। प्रमुख शहरों में मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर

KEDGE बिजनेस स्कूल ने भारत में अपना एक्सक्लूसिव एमबीए लॉन्च किया

नई दिल्ली।

यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों में से एक, KEDGE ने भारत में KEDGE एमबीए लॉन्च करने की घोषणा की है। फ़र्नरेशियल टाइम्स द्वारा विश्व स्तर पर 24वें स्थान पर रैंक किया गया यह प्रोग्राम, अनुभवी प्रोफेशनल्स को अपना करियर छोड़े या विदेश जाए बिना अंतरराष्ट्रीय एमबीए करने का अवसर देता है। यह 18 महीने का प्रोग्राम कीपलॉन्गिंग के सहयोग से आयोजित किया जाएगा, जिसमें फ़ांस से आने वाले विजिटिंग फैकल्टी के साथ-साथ चक्षुब्रध्म द्वारा चुनी गई उच्च स्तरीय भारतीय फैकल्टी भी पढ़ाएगी। सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रतिभागियों को सीधे पेरिस, मांसिले और बोर्दों में कैंपस वाले इस बिजनेस स्कूल से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिसट्रेशन की डिग्री मिलेगी। चक्षुब्रध्म के साथ अब भारत में ट्रिपल

आईजीएनसीए ने यमुना की सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए 7वें नदी उत्सव की घोषणा की

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने आज 7वें नदी उत्सव की घोषणा के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। यह उत्सव 24 से 26 सितंबर, 2026 तक आयोजित किया जाएगा और इस साल का उत्सव यमुना और उसके गहरे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, पारिस्थितिक और सभ्यतागत महत्व को समर्पित है। तीन दिवसीय इस उत्सव का उद्घाटन दिव्खी के माननीय उपराज्यपाल श्री तनजोति सिंह संधू करेंगे, जिसमें स्वामी अवधेशानंद गिरि जी और श्रीमती शेवना नारायण सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सचिचंदन जोशी ने उत्सव की रूपरेखा बताई और नदियों को केवल भौतिक और पारिस्थितिक आयामों से परे, यादों, संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक अनुभवों के जीवंत भंडार के रूप में देखने के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। नदी कवल एक भौगोलिक इकाई या पानी का स्रोत नहीं है; यह हमारी सभ्यतागत यादों का जीवंत भंडार है। यमुना सदियों से हमारी सांस्कृतिक कल्पना, परंपराओं, कला, साहित्य और सामूहिक चेतना का अभिन्न अंग रही है। नदी उत्सव के माध्यम से, हम नदी के इन विविध आयामों को सार्वजनिक चर्चा में लाना चाहते हैं और जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में नदियों के साथ हमारे संबंधों की गहरी समझ विकसित करना चाहते हैं। यह उत्सव लोगों को यमुना के सांस्कृतिक और सभ्यतागत महत्व से फिर से जोड़ने और इसकी पारिस्थितिक और सांस्कृतिक विरासत दोनों को संरक्षित करने के बारे में हमारी सामूहिक बातचीत को नया रूप देने का एक प्रयास है।

यूथ4इम्पैक्ट का शुभारंभ, देशभर में 3,600 से अधिक युवाओं को नेतृत्व के लिए तैयार करने की पहल

बेंगलुरु ।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से देशव्यापी युवा नेतृत्व विकास कार्यक्रम यूथ4इम्पैक्ट का शुभारंभ बेंगलुरु स्थित पीईएस विश्वविद्यालय में किया गया। सैकड़ों विद्यार्थियों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम के साथ बेंगलुरु देशभर में इस पहल की शुरुआत करने वाला पहला शहर बन गया है। बेंगलुरु में लगभग 600 युवाओं के इस कार्यक्रम से जुड़ने की उम्मीद है, जबकि देशभर में 3,600 से अधिक युवाओं को इससे जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। जागृति यात्रा और भारत में एआईईएसईसी की ओर से शुरू किए गए यूथ4इम्पैक्ट को रिलायंस फाउंडेशन और रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

के जरिए रोजमर्रा के ऑपरेशंस और मैनपावर, वेंडर कोऑर्डिनेशन, लीड जनरेशन, रेवेन्यू ऑप्टिमाइजेशन और एक जैसी कस्टमर एक्सपीरियंस उपलब्ध करने की जिम्मेदारी संभालेगा। इस मॉडल का एक अहम फोकस बैंक्रेट प्रॉपर्टीज को सिर्फ पीक वेडिंग ड्रेस्स पर निर्भर रहने से आगे बढ़ाना होगा। वेडिंग्ज़ के बिजनेस हेड आदित्य शर्मा ने कहा, सिर्फ वेन्यू मैनेज करने के बजाय हमारा फोकस बैंक्रेट मालिकों को उनकी प्रॉपर्टीज की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने में मदद करना है। इसके लिए हम हर वेन्यू की लोकेशन, कस्टमर प्रोफाइल और कॉम्पिटिटिव लैंडस्केप के आधार पर उसकी सही पोजिशनिंग, प्राइसिंग

और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, जो अन्य बड़े शहरों के मुकाबले कम है। वहीं, हैदराबाद में पेट्रोल 115.71 रुपये और डीजल 103.84 रुपये प्रति लीटर के साथ कीमतें सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। बेंगलुरु में भी पेट्रोल 110.82 रुपये और डीजल 98.77 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। कीमतों में यह स्थिरता रविवार को कर्माडिी बाजारों के बंद रहने के कारण है, जिससे दाम शुक्रवार, 18 सितंबर के स्तर पर बरकरार हैं। शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 1 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसमें ब्रेट क्रूड 101.91 फीसदी गिरकर 103.87 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

KEDGE ने हमेशा ऐसे प्रोग्राम बनाए हैं जो सीधे लीडर्स के सामने आने वाली चुनौतियों और संगठनों को आगे जिन क्षमताओं की जरूरत है, उन पर आधारित हों। KEDGE का एमबीए 500 घंटे की लॉनिंग वाला प्रोग्राम है, जिसमें ब्लेंडेड फॉर्मेट में दिया जाएगा - जिसमें फेस-टू-फेस क्लास, ऑनलाइन लॉनिंग और 14 दिन का इन-पर्सन इमर्शन शामिल है। Herve ने आगे कहा, चूंकि डिग्री, कर्किुलम और हमारी गुणवत्ता में कोई बदलाव नहीं है, इसलिए हमारे लिए वैश्वी प्रोफेशनल्स की लाइफ के हिसाब से डिजिटली फॉर्मेट बनाना जरूरी था। यह हमारे एमबीए का कोई दूसरा वर्जन नहीं है, यह KEDGE का असली एमबीए है, जो आपको पूर्ण एलुमनाई स्टेट्स देगा और दुनिया भर में हमारे 90,000 से अधिक ग्रेजुएट्स के समुदाय तक पहुंच प्रदान करेगा। प्रतिभागी बिजनेस स्ट्रेट्जी,

एआई+ नोवा 2 पॉवर- दमदार परफॉर्मेंस के साथ आकर्षक डिजाइन

गुडग्रांव ।
एआई+ स्मार्टफोन ने अपनी नोवा 2 सीरीज का नया स्मार्टफोन नोवा 2 पॉवर 5जी लॉन्च किया है। नई पीढ़ी के यूज़र्स के लिए तैयार इस फोन में आकर्षक डिजाइन के साथ दमदार परफॉर्मेंस और लंबी चलने वाली बैटरी दी गई है। इस फोन को पारंपरिक लॉन्च से अलग, एक फैशन शो के रैंप पर लॉन्च किया गया, जहाँ इसे फैशन और टेक्नोलॉजी के संगम के रूप में पेश किया गया।

डिजाइन टू इम्पायर। पॉवर टू आउटलास्ट।। के मंत्र के साथ बना नोवा 2 पॉवर, डिजाइन और परफॉर्मेंस का बेहतरीन संगम है। इसमें डुअल-टोन बैक पैनल के साथ कलर प्यूजन् फिनिश दी गई है। यह फोन ब्लू गोल्ड प्यूजन्

जटिल सामाजिक समस्याओं का तत्काल समाधान करवाना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा अनुभव और दृष्टिकोण प्रदान करना है, जो भविष्य में इन चुनौतियों के प्रति उनकी सोच को आकार दे सके। यह अनुभव उन्हें आगे चलकर पेशेवरों, उद्यमियों, शिक्षकों, लोक सेवकों, कारोबारी नेतृत्वकर्ताओं और संस्थान निर्माताओं के रूप में समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार करने में सहायक होगा। जागृति यात्रा के मुख्य परिचालन अधिकारी चिन्मय वाडनेरे ने कहा, जागृति का हमेशा से यह विश्वास रहा है कि युवा तब अपनी क्षमता को पहचानते हैं, जब वे अपने परिचित वातावरण से बाहर निकलकर उस भारत का अनुभव करते हैं, जिसे उन्होंने अभी तक नहीं देखा है। यूथ4इम्पैक्ट इसी विचार को हजारों युवाओं तक ले जाने का प्रयास है, जहाँ ज्ञान और

जेगसोम ने 2027-29 बैच के लिए प्रवेश शुरू किया, 5 कटोड़ रुपये की छात्रवृत्ति उपलब्ध

पडोडे फाउंडेशन छात्रवृत्ति के तहत प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को 7.5 लाख रुपये तक की सहायता

नई दिल्ली।

जगदीश शेट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने अपने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट और मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रमों के 2027-29 बैच के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। पात्र अभ्यर्थियों के लिए संस्थान ने कुल 5 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति राशि उपलब्ध कराई है। प्रवेश प्रक्रिया के तहत पडोडे फाउंडेशन छात्रवृत्ति के माध्यम से प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को 7.5 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। चयन में शैक्षणिक निरंतरता, नेतृत्व क्षमता, सीखने की योग्यता और छात्रवृत्ति मूल्यांकन में प्रदर्शन को प्रमुख आधार बनाया जाएगा। जेगसोम की निदेशक डॉ. श्रीदेवी वामराप्पी ने कहा कि पिछले वर्ष संस्थान के आवेदनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और प्रवेश में साल-दर-साल

भारत व्यापार सुगमता और एफटीए अवसरों पर कार्यशाला 22 को

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में डीपीआईआईटी हितधारकों से लेगा सुझाव

नई दिल्ली (इंएमएस)। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 22 सितंबर मंगलवार को हितधारकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य कारोबार सुगमता, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से जुड़े अवसरों और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल व सुगम बनाने पर गहन चर्चा करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस महत्वपूर्ण कार्यशाला की अध्यक्षता करेंगे। कार्यशाला में एफटीए, कारोबार सुगमता और नियामकीय अनुपालन से जुड़ी विभिन्न पहलों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस दौरान उद्योग संगठनों और निर्यात संवर्धन परिषदों से जमीनी स्तर पर सामने आ रही समस्याओं तथा प्रक्रियागत अड़चनों के बारे में सुझाव भी लिए जाएंगे, ताकि व्यापारिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। वाणिज्य विभाग एफटीए के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहले भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित कर चुका है। भारत ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई देशों और व्यापारिक समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू किए हैं। भविष्य की योजनाओं के तहत, भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता अगले महीने से प्रभावी होने की उम्मीद है, जबकि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होने की संभावना है, जिससे वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

डिजाइन के साथ रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने वाली पॉवर है। यह फोन देखने में ही नहीं, परफॉर्मेंस में भी दमदार है।

इसमें 6.75 इंच का एचडी+ पंच-होल डिस्प्ले 120 Hs रिफ्रेश रेट के साथ, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7100 प्रोसेसर, 48एमपी प्राइमरी + 8एमपी अल्ट्रा-वाइड + 13एमपी फ्रंट कैमरा, 7000mAh बैटरी और 33डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग, आईपी 65 रेटिंग, डुअल 5 प्रतिशत, वाई-फाई 6 और ब्लूटूथ 5.4 जैसे फीचर्स हैं। यह 6जीबी+128जीबी और 8जीबी+128जीबी वैरिएंट में आएगा। इसकी शुरुआती कीमत 15,999 रुपये बैंक ऑफर सहित होगी। पहली सेल 24 सितंबर 2026, रात 12 बजे से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी।

त्योहारी मौसम में एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी टली

लागत बढ़ने के बावजूद दिवाली तक उपभोक्ता उत्पादों के दाम स्थिर रखने की रणनीति नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली) कंपनियां त्योहारी सीजन में उत्पादों की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी से बचेंगी। लागत पर बढ़ते दबाव के बावजूद उनका मुख्य ध्यान फिलहाल उपभोक्ता मांग और बिक्री बनाए रखने पर है। उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार कंपनियों ने जून तिमाही में ही कच्चे माल की बड़ी कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए चुनिंदा उत्पादों के दाम में करीब दो से पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी थी। चीनी, खाद्य तेल, कॉफी और पैकेजिंग सामग्री सहित विभिन्न कच्चे मालों की लागत में वृद्धि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव ने कंपनियों पर दबाव बढ़ा रखा है। हालांकि, कंपनियां परिचालन दक्षता और लागत नियंत्रण जैसे उपायों से इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही हैं, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है।

आईटीसी व डाबर जैसी कंपनियों ने लागत प्रबंधन और पोर्टफोलियो समायोजन से कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास करने की बात कही। पारले के अनुसार, शहरी व ग्रामीण दोनों बाजारों में मांग उत्पादनजनक है, जिसे कंपनियां त्योहारी मौसम में बनाए रखना चाहती हैं। दिवाली तक बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। यदि लागत दबाव बना रहा, तो वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कीमतों में संशोधन संभव है।

रुपए बचाने की सफलता आरबीआई के लिए बनी नई चुनौती

घरेलू बैंकिंग प्रणाली में 10 लाख करोड़ रुपए की तरलता का संकट

मुंबई ।
हुई। पहला विकल्प था कि डॉलर को बाजार में आने दिया जाए, जिससे रुपया और मजबूत होता। 2013 में, जब भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.7 फीसदी था और मुद्रास्फीति चरम पर थी, यह कदम उपयुक्त हो सकता था। उस समय एफसीएनआर (बी) ने लगभग 34 अरब डॉलर आकर्षित किए थे। हालांकि, वर्तमान परिदृश्य भिन्न है। भारत के पास पर्याप्त भंडार, स्वस्थ वृद्धि दर और लगभग शुन्य चालू खाता घाटा है। बाजार में पूरी तरह से पैसा आने देने से रुपया 90 रुपए से नीचे गिरा जा सकता है, जिससे निर्यात को नुकसान होता और घरेलू विनिर्माण कमजोर पड़ता। यही कारण था कि आरबीआई ने अधिकारंश विदेशी मुद्रा को अवशोषित करना उचित समझा, लेकिन इससे विनिमय दर की समस्या अब तरलता की समस्या में बदल गई है। दूसरा विकल्प यह है कि बैंकों के पास भंडार छोड़ दिया जाए ताकि वे अधिक ऋण दे सकें।

नशे के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत पंजाब से नहीं, मुंद्रा पोर्ट से होनी चाहिए : केजरीवाल

नई दिल्ली। पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पंजाब पर दिए गए बयान पर सोशल मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया दी है। अरविंद केजरीवाल ने नशे के खिलाफ भाजपा की ओर से पंजाब में चलाए जा रहे अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत पंजाब से नहीं, बल्कि गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से होनी चाहिए। पूर्व सीएम केजरीवाल ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नितिन नवीन की पोस्ट को साझा करते हुए लिखा, “नशे के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत पंजाब से नहीं, मुंद्रा पोर्ट से होनी चाहिए। अगर आपको पंजाब की रस्ती भर भी चिंता है तो गुजरात से आने वाले नशे को रोकिए। दरअसल, भाजपा पंजाब में नशे के खिलाफ ‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ निकाल रही है। भाजपा की ओर से 18 सितंबर से शुरू की गई इस मुहिम के तहत चार अलग-अलग यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेंगी।

जमुई में बाइक सवार लड़के-लड़की को रोककर लड़की से अमद्रता का आरोप, वीडियो वायरल

जमुई। बिहार के जमुई जिले में बाइक सवार लड़के-लड़की को रास्ते में रोककर कथित तौर पर लड़की के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। घटना जमुई टाउन थाना क्षेत्र के मड़वा गांव की बताई जा रही है। घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने वीडियो सामने आने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि बाइक सवार लड़के और लड़की को कुछ लोग रास्ते में रोक लेते हैं और दोनों को धरे लेते हैं। वीडियो में लड़की के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किए जाने का दृश्य भी दिखाई देता है। लड़की वहां मौजूद लोगों से हाथ जोड़कर उन्हें जाने देने की अपील करती नजर आ रही है। वह कहती सुनाई देती है, “बच्चा हैं, जाने दीजिए। अब कभी नहीं आएंगी।” इस दौरान मौके पर कई अन्य लोग भी मौजूद दिखाई दे रहे हैं। जमुई के पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने बताया कि पुलिस को घटना से संबंधित वीडियो मिले थे। वीडियो के आधार पर पीड़िता की पहचान की गई और उसका बयान दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के बयान से पता चला कि घटना 19 सितंबर की शाम सात बजे की है।

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी से ‘पड़ श्री’ पुरस्कार वापस लेने की मांग : हिंदू सेना

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की ‘हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता’ टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए ‘हिंदू सेना’ संगठन ने ‘पदा श्री’ पुरस्कार वापस लेने की मांग की है। संगठन ने हामिद अंसारी पर हिंदू-विरोधी बयान देने और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने के आरोप लगाए हैं। ‘हिंदू सेना’ संगठन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा है। संगठन ने बहुसंख्यक हिंदू समुदाय और दक्षिणपंथी विचारधारा को निशाना बनाने वाले हामिद अंसारी के हालिया सार्वजनिक बयानों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि खराब करते हैं और सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाते हैं। पत्र में कहा गया, “देश के सबसे ऊंचे संवैधानिक पदों पर रहने के बावजूद पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने अपने कार्यकाल के दौरान और उसके बाद भी बार-बार ऐसे काम किए और बयान दिए हैं, जिससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संघभूता और सांस्कृतिक ताने-बाने पर गंभीर सवाल उठते हैं। एक आधिकारिक बयान में हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने हामिद अंसारी के पिछले व्यवहार और हालिया सार्वजनिक बयानों पर गंभीर चिंता जताई।

केरल फिल्म फेस्टिवल में किसी फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक नहीं : केंद्र

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि निरुवननंतपुरम में होने वाले 18वें इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री एंड शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल ऑफ केरल में किसी भी फिल्म की स्क्रीनिंग की अनुमति से इनकार नहीं किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि छह फिल्मों के विस्तृत सिनॉप्सिस मांगे गए हैं, जबकि विषय-वस्तु और प्रकृति के आधार पर कुछ फिल्मों को संबंधित क्षेत्रीय प्राधिकरणों के पास समीक्षा के लिए भेजा गया है। मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण कांग्रेस सांसद शशि थरूर के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने 31 फिल्मों की स्क्रीनिंग की अनुमति रोकें जाने की बात कही थी। थरूर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़ते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से हस्तक्षेप की मांग की थी। मंत्रालय ने एक्स पर जारी स्पष्टीकरण में कहा कि किसी भी फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक नहीं लगाई गई है। कुछ फिल्मों को उनकी विषय-वस्तु के अनुरूप संबंधित विभागों से समीक्षा प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय प्राधिकरणों के पास भेजा गया है। मंत्रालय के अनुसार, छह फिल्मों के संबंध में विस्तृत सिनॉप्सिस उपलब्ध कराने को कहा गया है।

ओवैसी ने यूपी में विपक्षी गठबंधन पर कहा- ‘हम 2 अक्टूबर तक अपने गठबंधन का ऐलान करेंगे’

नई दिल्ली। एआईएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन पर अपने फैसले की घोषणा 2 अक्टूबर तक करेगी। साथ ही, उन्होंने साफ किया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है और राज्य में मुसलमानों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विपक्षी दलों को मिलकर काम करने पर विचार करना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि एआईएमआइएम चुनावों की तैयारी कर रही है और उन्हें भरोसा है कि पार्टी के उम्मीदवार उत्तर प्रदेश विधानसभा में पहुंचेंगे। ओवैसी ने कहा, “हम 2 अक्टूबर तक यह बता देंगे कि हम किसके साथ गठबंधन करेंगे।” उन्होंने उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी की राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने के मकसद के बारे में भी बताया और कहा कि मुस्लिम समुदाय के पास ज्यादा राजनीतिक ताकत होनी चाहिए और समुदाय के भीतर से ही नेतृत्व उभरना चाहिए। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह तैयार हैं और तैयारियां कर रहे हैं।

खरगे ने एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल, चुनाव आयोग से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को त्रुटिपूर्ण बताते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसके प्रभाव लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवाल खड़े कर रहे हैं। खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा कि कांग्रेस शुरू से ही एसआईआर प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताती रही है। अब जब यह प्रक्रिया दिल्ली में चल रही है, तो इसके प्रभाव अधिक स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय विदेश मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, राज्यसभा सांसदों तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी पहले नोटिस दिया जा चुका है। खरगे ने पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों से संबंधित अपीलें पर बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिली और उन्हें फिर से सूची में शामिल करने के निर्देश दिए गए।

आचार्यश्री ने आज के निर्धारित विषय को किया व्याख्यायित

विनिवर्तना से संवर व पूर्व कर्मों का हो सकता है निर्जरण : शातिदूत आचार्यश्री महाश्रमण

लाडनू। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, अहिंसा यात्रा प्रणेता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने सोमवार को प्रातःकालीन मुख्य मंगल प्रवचन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित चतुर्विध धर्मसंघ को आज के निर्धारित विषय ‘विनिवर्तना से क्या मिलेगा?’ को आगम के माध्यम से व्याख्यायित करते हुए कहा कि हम सभी पंचेन्द्रिय प्राणी हैं। पांच ज्ञानेन्द्रियां होती हैं और पांच कर्मेन्द्रियां भी होती हैं। मन, वचन, काय- ये तीन योग भी होते हैं। हमारा जीवन मुख्यतया दो तत्त्वों का संयोग है- आत्मा और शरीर। शेष जो भी है, संभवतः इन्हीं का विस्तार है। मनुष्य के भीतर अनंतकाल से संस्कारों का प्रवाह चल रहा है। कामर्ण शरीर तो संस्कारों का भण्डार है। वहां संस्कार एकत्रित होते हैं और वहां से जीवन का संचालन भी होता है। यदि इस शरीर का बस मान लिया जाए तो

भाजपा ने नशे के मुद्दे पर पंजाब की आआपा सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नशे के मुद्दे पर पंजाब की आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में स्थिति ऐसी हो गई है कि नशे के कारोबार को लेकर शिकायत करने वाले व्यक्ति पर ही कार्रवाई हो जा रही है। भाजपा ने कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए पार्टी लगातार आवाज उठा रही है और पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में ‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ सप्ती 117 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वर्ता के दौरान जग्गी सिंह का मुद्दा उठाते हुए कहा कि उन्होंने पंजाब में नशे के कारोबार को लेकर शिकायत की थी। भाटिया ने सवाल किया कि नशे के कारोबार की शिकायत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ ही कार्रवाई क्यों की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई



इसका इइस्वर तो कामर्ण शरीर ही होता है। जीव की चेतना पर कर्म का प्रभाव भी होता है। कर्म के प्रभुत्व को कैसे क्षीण किया जाए। चेतना को कर्मों की जकड़न से छुड़ाकर स्वतंत्र बनाने का प्रयास होना चाहिए। मोहनीय कर्म की परतंत्रता से अपनी चेतना को मुक्त कराने का प्रयास करना चाहिए। शरीर के साथ कामर्ण शरीर का जुड़ाव अनादिकाल से है। मोक्ष की स्थिति को प्राप्त करने वाली आत्मा इस कामर्ण शरीर से मुक्त हो सकती है। आदमी अपनी

इन्द्रियों को मन, वचन काय को प्रमाद की ओर बढ़ने से रोकने का प्रयास करना चाहिए। जहां कहीं भी लगे कि शरीर, वाणी अथवा मन से कहीं कोई सावद्य कार्य में जाने लग जाए तो उसे वहां से लौटने का प्रयास करना चाहिए। यह विनिवर्तना होती है। अपनी को किसी प्रमाद से बचा लेना, लौटा लेना विनिवर्तना होती है। जैसे छोटे बच्चा यदि अग्नि की ओर बढ़ता है तो उसके माता-पिता उससे वहां से लौटा लेते हैं। वैसे ही आदमी हो अथवा साधु,

नशा मुक्त पंजाब यात्रा में शामिल हुए सीएम सैनी, बोले- युवाओं को नशे से मुक्ति इलाज और रोजगार चाहिए

चंडीगढ़/एजेंसी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नशा मुक्त पंजाब यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पंजाब में नशे की समस्या को लेकर कई सवाल उठाए और कहा कि पंजाब के नौजवानों को केवल नारे नहीं, बल्कि नशे से मुक्ति, इलाज, रोजगार और सम्मान चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुओं की धरती से शुरू होने वाली यह यात्रा पंजाब को बचाने की जन यात्रा है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पंजाब की पहचान प्रथम पातशह श्री गुरु नानक देव जी के ‘कीरत करो, नाम जपों, वंड छको’ के संदेश से है। उन्होंने पंजाब सरकार से सवाल करते हुए कहा कि चार साल बाद भी नशा गांव-गांव तक कैसे पहुंच रहा है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2025 में देशभर में ड्रोन के जरिए नशा तस्करी की दर्ज 305 घटनाओं में से 298 पंजाब सीमा से



यदि उसके शरीर, मन, वचन और काया प्रमाद की ओर बढ़े तो उसे वहां से लौटाने का प्रयास करना चाहिए। प्रमाद से आपने आपको दूर रखने से अर्थात् विनिवर्तना से संवर की प्राप्ति हो सकती है तथा पूर्व कर्मों का निर्जरण भी हो सकता है। विनिवर्तना रखना भी एक प्रकार की साधना है। इस प्रकार आदमी को संयम रखने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार आदमी को संयम रखने का प्रयास करना चाहिए। इस विनिवर्तना से स्वयं पर नियंत्रण रखने और बुरे

कार्यों से बचने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार आदमी को अपनी चेतना को जागृत बनाने और गलत कार्यों से बचाने का प्रयास करना चाहिए।

अपनी गलत वृत्तियों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करना चाहिए। आचार्यश्री ने आगे कहा कि भाद्रव शुक्ला द्वादशी को संभव हुआ तो डालगणीजी के समाधि स्थल पर जाने का विचार है। मूल का ठिकाणा, सेवा मंदिर होकर पुनः जैन विश्व भारती में लौटने का विचार है।



संबंधित थीं। साथ ही एनसीआरबी के वर्ष 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पंजाब में ड्रा ओवरडोज से 106 मौतें दर्ज हुईं। सीएम नायब सैनी ने कहा कि लड़ाई नशा पीड़ितों से नहीं, बल्कि नशे के सौदागरों से है।

उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री से नशे जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में हर

महीने नशे के खिलाफ अभियान आयोजित किए जाते हैं और नशा मुक्त हरियाणा अभियान को गांव-गांव और गली-गली तक पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि नशे की आपूर्ति पर कार्रवाई के साथ युवाओं को खेल, शिक्षा, कौशल, रोजगार और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशे के खिलाफ लड़ाई को राष्ट्रीय प्राथमिकता

भारतीय नौसेना के युद्धपोत ‘सद्माद्रि’ और ‘कुलिश’ फिलीपींस की सुबिक खाड़ी पहुंचे

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय नौसेना के आधुनिक युद्धक क्षमताओं से लैस स्वदेशी जहाज ‘आईएनएस सद्माद्रि’ और ‘आईएनएस कुलिश’ फिलीपींस की सुबिक खाड़ी पहुंचे हैं। भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल तैनाती के तहत दोनों जहाजों को भेजा गया है। भारतीय नौसेना के जहाज फिलीपींस में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)-प्लस, संयुक्त सहयोग गतिविधि (जेसीए) में हिस्सा लेंगे। एडीएमएम प्लस, जेसीए में 10 आसियान देशों और आठ साझेदार देशों की समुद्री सेनाएं एक साथ आती हैं। इनका उद्देश्य पेशेवर और ऑपरेशनल गतिविधियों के जरिए आपसी तालमेल बढ़ाना, आपसी समझ को बढ़ावा देना और समुद्री क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना है। एडीएमएम-प्लस जेसीए में



भारतीय नौसेना के जहाजों की भागीदारी भारत सरकार की ‘एक्ट ईस्ट पॉलिसी’ और ‘महासागर’ विजन के अनुरूप है, जो बहुपक्षीय समुद्री सहयोग और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ रचनात्मक जुड़ाव के प्रति भारत की लगातार प्रतिबद्धता को दिखाता है। यह तैनाती भारतीय नौसेना को पेशेवर और परिचालनिक गतिविधियों के माध्यम से भाग लेने वाली समुद्री सेनाओं के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान

जयराम रमेश का महंगाई पर मोदी सरकार पर तंज

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि देश में खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद मोदी सरकार महंगाई पर चुप है। उन्होंने कहा कि दाल, मसाले, खाद्य तेल और प्याज के बढ़ते दामों ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रमेश ने सरकार से महंगाई पर तत्काल सख्त कदम उठाकर आम जनता को राहत देने की मांग की है। रमेश ने सोमवार को एक्स पर पिछले एक महीने में मसालों की कीमतों में 10 से 25 फीसदी तक बढ़ोतरी का दावा किया। उन्होंने कहा कि छोटी इलायची 4,000 रुपये से बढ़कर 4,400 रुपये, बड़ी इलायची 2,400 से 2,800 रुपये, जीरा 360 से 400 रुपये और जालिन्त्री 2,500 से बढ़कर 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

दी है और 2 अगस्त 2026 को ‘नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान’ के नाम से 100 सप्ताह के राष्ट्र्यापी अभियान की शुरुआत की। सीएम नायब सैनी ने पंजाब सरकार से पूछा कि उसने कितने युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। उन्होंने हरियाणा में महिलाओं को 2,100 रुपये देने के वादे को पूरा करने और किसानों के लिए भावांतर भरपाई योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर नशे के पीड़ितों को इलाज, परिवारों को सहयोग और तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नशा मुक्त पंजाब यात्रा के जरिए इसी सोच को जन आंदोलन बनाने के लिए आगे बढ़ रही है। साथ ही उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने युवाओं कि डंकी रूट से बचाने के लिए विदेश सहयोग विभाग बनाया है।



करेगी, जिससे साझा समुद्री चुनौतियों की बेहतर समझ बनाने में मदद मिलेगी।

यह पोर्ट कॉल भारत और फिलीपींस के बीच बढ़ते समुद्री जुड़ाव को भी दर्शाता है। हाल के द्विपक्षीय जुड़ाव और अगस्त 2025 में भारत-फिलीपींस रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के बाद यह तैनाती दोनों देशों के बीच पेशेवर संबंधों और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने का अवसर देती है।

फरक्का जल संधि पर बड़ी सियासत, बिहार के बाद पश्चिम बंगाल ने भी केंद्र के सामने रखी अपनी चिंता

कोलकाता/एजेंसी।

भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर 12 दिसंबर 1996 को हुई फरक्का जल संधि की अवधि इसी साल दिसंबर में समाप्त होने वाली है। संधि के नवीकरण से पहले बिहार और पश्चिम बंगाल ने अपने-अपने हितों और चिंताओं को केंद्र सरकार के सामने रखना शुरू कर दिया है। बिहार में जेडीयू मौजूदा समझौते को उसी स्वरूप में आगे बढ़ाने के बजाय भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था और वैज्ञानिक समीक्षा की मांग कर रही है, वहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि किसी भी नई व्यवस्था में राज्य के हितों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र के समक्ष मुख्य रूप से सूखे मौसम में हुगली नदी में पर्याप्त जल प्रवाह बनाए रखने का मुद्दा

उठाया है। राज्य का कहना है कि फरक्का से पर्याप्त पानी हुगली में पहुंचना जरूरी है, क्योंकि इसका सीधा संबंध हुगली की नौवहन क्षमता और कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के संचालन से है। जल प्रवाह में कमी होने पर गाद जमने और नौवहन संबंधी समस्याओं का असर बंदरगाह, व्यापार और राज्य की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल ने मालदा, मुर्शिदाबाद और नदिया में लगातार हो रहे नदी कटाव, गाद जमने और बाढ़ की समस्या को भी केंद्र के सामने रखा है। राज्य का तर्क है कि भविष्य की जल व्यवस्था केवल भारत और बांग्लादेश के बीच पानी के बंटवारे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नदी के पर्यावरण, बदलते जल प्रवाह, भविष्य की जल जरूरतों और राज्य की विकास संबंधी आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।